प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ... सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

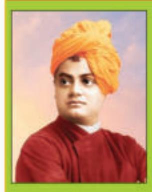

संभव की सीमा को जानने का सबसे उत्तम तरीका है असंभव की सीमा से आगे निकल जाओ।
स्वामी विवेकानंद

वर्ष-06, अंक-19 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 01 फरवरी 2024 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

नीतिश कुमारः सुशासन बाबू से पलटूराम तक...!

माही की गूंज संजय भटेवरा

झाबुआ। कहावत यूं ही नहीं बनी है कि, राजनीति में न तो कोई स्थाई दोस्त होता है और न ही दुश्मन होता है। कुछ इसी तर्ज पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनने के लिए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर पुनः मुख्यमंत्री बन जाते हैं। समोसे में आलू व बिहार में लालू वाली कहावत अब पुरानी हो चुकी है। अब बिहार की राजनीति नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द ही चल रही है और यह कहा जा रहा है कि, बिहार में मुख्यमंत्री नहीं बदलते हैं विपक्ष बदलता हैं। एक समय बिहार सहित पूरे देश में सुशासन बाबू के नाम से पहचान बनाने वाले नीतीश कुमार की इमेज अब पलटू राम के नाम से होने लगी हैं। सोशल मीडिया के कमेंट्स के अनुसार, नीतीश कुमार ने रंग बदलने के मामले में गिरगिट को भी पीछे छोड़ दिया है।

कब-कब रहे नीतीष मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार पहली बार मुख्यमंत्री बने पर अटल बिहारी वाजपेई की ही भांति बहुमत सिद्ध न कर पाने के कारण महज 3 मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक महज 7 दिन के लिए ही मुख्यमंत्री रहे। लेकिन उनका नाम राज्य के 29 वे मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज हो चुका था। इसके बाद वे केंद्र की राजनीति में चले गए और केंद्र मंत्री के रूप में कई विभागों में काम किया। इसके पश्चात वे 24 नवंबर 2005 से 24 नवंबर 2010 तक बिहार के 31 वे, 26 नवंबर 2010 से 17 मई 2014 तक 32 वे, 22 फरवरी 2015 से 19 नवंबर 2015 तक 34 वे, 20 नवंबर 2015 से 26 जुलाई 2017 तक 35 वे, 27 जुलाई 2017 से 15 नवंबर 2020 तक 36 वे, 16 नवंबर 2020 से 29 जनवरी 2024 तक 37 वे तथा 29 जनवरी 2024 से निरंतर राज्य के 38 वे मुख्यमंत्री बने हुए हैं। नीतीश, देश में एकमात्र नेता है जो 9 बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि सन् 2020 के बाद से ही बिहार राज्य की राजनीति नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द ही घूम रही है और एक तरह से बिहार की राजनीति के पर्याय बन चुके हैं। बिहार की राजनीतिक नीतीश कुमार के बगैर अधूरी है।

इस बार पलटी क्यो...

पिछली बार जब नीतीश कुमार ने एनडीए का साथ छोड़ा था तो कहा कि, मैं मर जाना पसंद करूंगा लेकिन अब भाजपा से हाथ नहीं मिलाऊंगा । लेकिन महज 1 साल से कुछ ज्यादा वक्त के बाद ही नीतीश कुमार ने एक बार फिर भाजपा से हाथ मिला लिया। ऐसा क्यों किया इसके लिए राजनीतिक पंडित नीतीश कुमार की अति महत्वाकांक्षा को बतला रहे हैं। राजनीति में महत्वाकांक्षा रचना बुरी भी नहीं है लेकिन अपने उसूलों को दरकिनार रखकर महत्वाकांक्षा पालने वाला नीतीश कुमार की तरह ही हसीं का पात्र बन जाता है। नीतीश कुमार के मन में कहीं न कहीं इंडिया गठबंधन की ओर से कोई बड़ी जिम्मेदारी न मिलने का मलाल है। जबकि इंडिया गठबंधन उन्हीं की पहल पर बना था और विपक्ष की बिखरी कड़ियों को वह भी पिरोने का कार्य कर रहे थे। ऐसे में उन्हें जिम्मेदारी न मिलने से वह हताश हो गए और अपना भविष्य खतरे में देखकर पाला बदल लिया।

एनडीए की मजबूरी

भाजपा से गठबंधन टूटने पर भाजपा नेताओं ने भी नीतीश कुमार के खिलाफ खूब बयान बाजी की थी। ऐसे में दोनों और भी खूब बयान बाजी हुई थी और लोगों को लग रहा था कि, भाजपा अब नीतीश से कभी हाथ नहीं मिलाएगी। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी यही चाहता था कि नीतीश से हाथ न मिलाया जाए। चुकि नीतीश, विपक्षी एकता के सूत्रधार थे और भाजपा, विपक्षी एकता को छिन्न-भिन्न करना चाहती थी। जिसके लिए उन्हें नीतीश कुमार उपयुक्त लगे इसलिए उन्होंने राज्य इकाई को विश्वास में लेकर यह खेल कर दिया। हालांकि भाजपा के इस फैसले को लेकर पूरे देश में भाजपा की आलोचना की जा रही है। कहते हैं कि, एक ही पत्थर से दो बार ठोकर खाना मूर्खता है और भाजपा ने यह मूर्खता तीसरी बार की है। इसका कितना फायदा मिलता है या नहीं यह तो 2024 के लोकसभा और उसके बाद होने वाले विधानसभा चुनाव तय करेंगे। लेकिन इस घटनाक्रम ने यह तय कर दिया है भारतीय राजनीति में कुछ भी असंभव नही है। भाजपा जम्मू कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ सरकार बन सकती है। शिवसेना, कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बना सकती है। कांग्रेस आप पार्टी को समर्थन दे सकती है। अजीत पवार भाजपा को समर्थन दे सकते हैं। अपने-अपने राज्यों में विरोधी दल केंद्र के राजनीति में एक हो सकते हैं। इसके चलते कई लोग अब यह भी कहने लगे हैं कि, भविष्य में कांग्रेस और भाजपा का भी गठबंधन हो सकता है इस से भी अब इंकार नही किया जा सकता है। क्योंकि राजनीति में असंभव कुछ भी नहीं हैं। बहरहाल नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री हैं और पूर्व में लिए गए विकास कार्यों के बाद बनी सुशासन बाबू की छवि वापस पा सकते हैं या पलटू राम वाली कहावत चरितार्थ करते रहेंगे। यह अभी से कहना मुश्किल है।

सीएम के बाद केंद्रीय मंत्री का सफर तय करेंगे शिवराज...!

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बुधनी से विधायक और चार बार मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान अब केंद्रीय मंत्री बन सकते हैं। केंद्रीय मंत्री और एनडीए यानी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथी रामदास आठवले ने दावा किया है कि, चौहान लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक विधायक की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। अध्यक्ष आठवले ने कहा, शिवराज सिंह चौहान का लोकसभा में आना है पक्का, इसलिए उनके दुश्मनों को लगेगा बहुत बड़ा धक्का। खास बात है कि, आठवले शायराना प्रतिक्रियाएं देने के लिए मशहूर हैं। एमपी में भारतीय जनता पार्टी ने मोहन यादव को सीएम बनाया है।

आठवले ने कहा कि, अगर चौहान दिल्ली आते हैं और लोकसभा चुनाव लड़ते हैं, तो पीएम मोदी उनका 'सम्मान' करेंगे और उन्होंने कैबिनेट मंत्री बनाएंगे। हालांकि, अब तक स्थिति साफ नहीं है कि चौहान का लोकसभा टिकट तय है या नहीं। आठवले की तरफ से भी इसे लेकर साफ जवाब नहीं दिया गया है।

शिवराज सिंह ने किया बड़ी जीत का दावा

शिवराज सिंह चौहान ने न्यूज़ एजेंसी को कहा कि, मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी 29 में से 29 सभी लोकसभा की सीटे जीतेगी। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा में 400 सीटें भाजपा की आएंगी। वहीं मध्यप्रदेश में 29 में से 29 सीटें भाजपा जीतेगी। वर्ष 2019 में भाजपा ने 28 सीटें जीती थीं और अब 2024 में 29 में से पूरी 29 ही सीटें जीतेगी।

राहुल गांधी की कार पर हुआ पथराव

कटिहार, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान राहुल गांधी की कार को निशाना बनाए जाने आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि, बिहार-बंगाल सीमा के पास संदिग्ध पथराव में राहुल गांधी की कार का शीशा टूट गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इन दिनों बिहार दौरे पर है।

कांग्रेस नेता और बंगाल इकाई के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब यात्रा पश्चिम बंगाल बॉर्डर के पास से गुजर रही थी। इस कथित हमले के चलते कार की पिछली खिड़की (विंडस्क्रीन) का शीशा टूट गया। हालांकि राहुल सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, हमारी कार का शीशा तोड़ दिया गया है, लेकिन हमारी यात्रा नहीं रुकेगी और इंडिया गठबंधन नहीं झुकेगा। मैं याद दिला दूं कि बंगाल की मुख्यमंत्री ने खुद कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मजबूत करना भी उनका लक्ष्य है।

राहुल गांधी को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) की छत पर बैठे देखा गया जो धीरे-धीरे शहर की मुख्य सड़कों से गुजर रहा था। उन्होंने सड़क पर जमा उत्साही भीड़ का हाथ हिलाकर अभिवादन किया तथा स्थानीय लोग सड़क के दोनों ओर कतारबद्ध होकर जुलूस को गुजरते हुए देखते रहे। राज्य में कांग्रेस की ये यात्रा ऐसे वक्त हो रही है जब पूर्व सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में लौट चुके हैं।

राष्ट्रपति ने अभिभाषण में आर्टिकल 370 से लेकर राम मंदिर तक का किया जिक्र

नई दिल्ली। बुधवार 31 जनवरी से संसद का बजट सत्र शुरू हो चुका है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण तथा लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान वाला कानून पारित होने का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को घोषणा की कि, सरकार परीक्षा में होने वाली गड़बड़ी को लेकर युवाओं की चिंताओं से अवगत है और इसे रोकने के लिए एक कानून बनाएगी। राष्ट्रपति ने बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा एवं राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने नए संसद भवन में पहला संबोधन देते हुए कहा कि, यहां 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की महक है। उन्होंने कहा कि, कोई देश तभी तेज गति से प्रगति कर सकता है जब वह अतीत की चुनौतियों को परास्त कर देता है और भविष्य के निर्माण के लिए अधिकतम ऊर्जा लगाता है।

वर्तमान लोकसभा का यह आखिरी सत्र है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले आज एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। इस वर्ष का बजट 2024 एक अंतरिम बजट है क्योंकि आने वाले महीनों में लोकसभा चुनाव होने हैं और नई सरकार के चुने जाने के बाद पूरे वर्ष का बजट पेश किया जाएगा। हर वर्ष की तरह बजट 2024 से भी आम आदमी, मध्यम वर्ग, किसानों, महिलाओं और उद्योग जगत को राहत मिलने की उम्मीदें ज्यादा हैं। ऐसी भी उम्मीदें हैं कि, नरेंद्र मोदी सरकार अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करेगी और साथ ही रोडवेज और रेलवे जैसे प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों पर अपने पूंजीगत व्यय को जारी रखेगी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में कहा कि, सीतारमण जम्मू-कश्मीर के लिए भी बजट पेश करेंगी, जहां राष्ट्रपति शासन है।

तलाशी करने गई केरल पुलिस खुद जंगल में भटकी

तिरुवनन्तपुरम, एजेंसी। केरल के पलक्कड़ जिले में घने वनक्षेत्र में तलाशी अभियान पर गई 14 सदस्यीय पुलिस टीम वापसी के दौरान भटक गई, लेकिन वन विभाग के त्वरित प्रतिक्रिया दल ने बुधवार सुबह उन्हें बचा लिया। पुलिस टीम में अगाली के पुलिस उपाधीक्षक भी शामिल थे। टीम भांग की खेती के बारे में जानकारी मिलने के बाद अट्टापडी वनक्षेत्र में गई थी।

पुलिस उपाधीक्षक ने मीडियाकर्मियों को बताया कि, टीम को भांग के खेत मिले और उसे नष्ट कर दिया गया। लेकिन अभियान में समय लगा और लौटते समय अंधेरा होने के कारण वे जंगल के अंदर रास्ता भटक गए। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं थे और जब उन्हें कनेक्टिविटी मिली तो उन्होंने वन विभाग को सूचित किया जिसने एक त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) भेजा।

पुलिस उपाधीक्षक ने कहा, आरआरटी टीम रात लगभग एक बजे हमारे पास पहुंची और फिर जीपीएस का उपयोग करके हमें जंगल से बाहर आने में मदद मिली। उन्होंने यह भी कहा कि वनक्षेत्र में जंगली जानवरों से संबंधित समस्याएं थीं, लेकिन टीम उनसे निपटने के लिए तैयार थी।

आरआरटी के एक सदस्य ने कहा कि, उन्हें मंगलवार रात करीब आठ बजे पुलिस टीम की स्थिति के बारे में जानकारी मिली और तुरंत 12 सदस्यीय दल को बचाव के लिए भेजा गया। वन अधिकारी ने बताया कि आधी रात के करीब टीम पुलिस अधिकारियों के पास पहुंची। वे (पुलिसकर्मी) थके हुए थे क्योंकि वे सुबह से तलाशी अभियान में लगे थे। बुधवार सुबह लगभग छह बजे हमने रस्सियों और उपकरणों की मदद से उन्हें बाहर निकालना शुरू किया। हमने उन्हें भोजन भी उपलब्ध कराया।

भारत-मालदीव विवाद के बीच आया उच्चायुक्त इब्राहिम शाहीब का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। मालदीव के उच्चायुक्त इब्राहिम शाहीब ने बुधवार को बजट सत्र से पहले संसद पहुंचकर कहा कि, भारत और मालदीव के बीच सब कुछ अच्छा है। यह टिप्पणी पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा को लेकर नई दिल्ली और मालदीव के बीच राजनयिक विवाद के बीच आई है।

मालदीव में विपक्ष ने की भारत से माफी मांगने की मांग

विवाद के तुरंत बाद, मालदीव में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई क्योंकि मालदीव में विपक्ष ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को भारत से माफी मांगने को कहा।जब राजदूत से भारत और मालदीव के बीच वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, ÷सब ठीक है।÷

अंत में पड़ोसियों को होती है एक-दूसरे की जरूरत- जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-मालदीव संबंधों पर टिप्पणी की और कहा कि, हर पड़ोस में समस्याएं होती हैं लेकिन पड़ोसियों को अंततः एक-दूसरे की जरूरत होती है। हर देश के पड़ोस में समस्याएं होती हैं। यह कभी भी उतना अच्छा नहीं होता जितना वे कहते हैं। यह उतना बुरा कभी नहीं होता जितना वे कहते हैं। दिक्कतें होंगी। हमारा काम पूर्वानुमान लगाना, आकलन करना, प्रतिक्रिया देना है। दिन के अंत में, पड़ोसियों के एक-दूसरे के साथ संबंध होते हैं। आखिरकार, पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। हिस्ट्री और ज्योग्राफी बहुत ताकतवर ताकतें हैं। उससे कोई बच नहीं सकता है।

भारत और मालदीव के बीच बढ़ गया था विवाद

मुइज्जू के चुनाव के बाद, मुइज्जू के चीन समर्थक रुख के कारण भारत-मालदीव संबंधों को झटका लगा। मुइज्जू ने भारत से द्वीप में मौजूद अपने सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने को कहा, मुइज्जू ने एक परंपरा तोड़ते हुए भारत से पहले चीन का भी दौरा किया था।

भारत-मालदीव विवाद की शुरुआत पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद सोशल मीडिया हलचलों से हुई, जिसे मालदीव के राजनेताओं ने मालदीव से पर्यटकों को दूर करने के कदम के रूप में गलत समझा। जबकि सोशल मीडिया पर लड़ाई चल रही थी, मुइज्जू ने अपनी चीन यात्रा पर कहा, हम छोटे हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता है। मुइज्जू ने यह भी कहा कि वह चिकित्सा उपचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में मालदीव की भारत पर निर्भरता खत्म कर देंगे।

विपक्षी जम्हूरी पार्टी के नेता गसुइम इब्राहिम ने मुइज्जू से भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से औपचारिक रूप से माफी मांगने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए ''राजनयिक सुलह'' की मांग की थी।

यह पहली बार नहीं है कि, मुइज्जू को भारत के साथ रिश्ते सुधारने के लिए कहा गया है। 24 जनवरी को, भारत को ÷सबसे पुराना सहयोगी÷ बताते हुए, एमडीपी और डेमोक्रेट्स ने मुइजू सरकार के ÷भारत विरोधी रुख÷ के बारे में चिंता व्यक्त की।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव विवाद में हाईकोर्ट की एंट्री

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ मेयर इलेक्शन के मुद्दे को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई है। अदालत ने इस मामले में चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम से तीन हफ्तों के भीतर रिपोर्ट तलब की है। गठबंधन की तरफ से धांधली के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही चुनाव अधिकारी पर सवाल उठाए गए हैं। मंगलवार को घोषित नतीजों में भारतीय जनता पार्टी उम्मीवार मनोज सोनकर ने जीत हासिल की थी।

आम आदमी पार्षद कुलदीप कुमार ने बैलेट पेपर में छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। इस संबंध में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की अनुमति दे दी थी। कुमार के आरोप थे कि, उच्च न्यायालय के आदेश के उल्लंघन में यह चुनाव हुआ है। साथ ही उन्होंने नए चुनाव कराने की अपील की है। याचिका में प्रिसाइडिंग ऑफिसर पर भी सवालिया निशान लगाए गए थे। याचिका में कहा गया था, अधिकारी के सामने तीन टोकरियां थीं। इनमें से एक आप के उम्मीदवार, एक भाजपा के उम्मीदवार और तीसरी अवैध मतों के लिए थी। वीडियोग्राफी से भी यह साफ हो गया है कि अधिकारी ने सिर्फ कंफ्यूजन बनाने के लिए एक टोकरी के मतों को दूसरी में मिला दिया। इस दौरान उन्होंने जालसाजी और छेड़छाड़ कर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया है। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में नए चुनाव कराने के निर्देश जारी करने का अनुरोध किया था। खास बात है कि इससे पहले उच्च न्यायालय ने चंडीगढ़ प्रशासन से मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर ऑफ चंडीगढ़ म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के तीन पदों पर 30 जनवरी को चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही चंडीगढ़ पुलिस को भी यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे कि निगम के दफ्तर के बाद चुनाव प्रक्रिया के दौरान और बाद में कोई हंगामा न हो।

मूलभूत सुविधाओं को बना दिया कमाई का जरिया

सड़क मेंटेनेंस के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार

माही की गूंज, खवासा।

पानी,बिजली, सड़क, शिक्षा व स्वास्थ्य उक्त मूलभूत सुविधाएं आम लोगों को सरकार द्वारा अनिवार्य रूप से देना होती है। वही उक्त मूलभूत सुविधाएं देने के नाम से हमारे सिस्टम को जिस तरह से भ्रष्टाचार को ही शिष्टाचार बना दिया है उसी सिस्टम के साथ भ्रष्ट तंत्र में मूलभूत सुविधाएं देने के नाम पर भी भ्रष्टाचार रूपी शिष्टाचार बनाकर कमाई का बड़ा जरिया हमारे सिस्टम में बन गया है।

हम आज सड़क मेंटेनेंस की बात करें तो, चाहे वो प्रधानमंत्री सड़क का मेंटेनेंस कार्य हो या फिर एमपीआरडीसी की सड़क मेंटेनेंस का कार्य हो उक्त मूलभूत सुविधा देने के नाम पर भी जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। तथा भ्रष्टाचार को ही शिष्टाचार बनाने वाला तंत्र गांधी जी के तीन बंदर की तरह गूंगे, बहरे और अंधे बनकर बैठे हैं। हमने पिछले अंक में भी प्रधानमंत्री सड़क का मेंटेनेंस कार्य में किये जा रहे भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। जिसमें पद्मावती कंस्ट्रक्शन का ठेकेदार किशोर बोरसे ने किस तरह से सड़क मेंटेनेंस के नाम पर किये जा रहे कार्य में निम्न स्तर का डामर व साइड पट्टी भरने तक के कार्य में मनमानी के साथ कार्य कर रहा है और जब माही की गूंज ने खुलासा किया तो भ्रष्ट किशोर बोरसे ने बदनीयति के साथ अपने किसी मित्र भोपाली पत्रकार को फोन लगाकर गुमराह तक करने का प्रयत्न किया।

वहीं किशोर बोरसे के द्वारा प्रधानमंत्री सड़क मेंटेनेंस में किये जा रहे भ्रष्टाचार के माही की गूंज में हुए खुलासे के बाद जो अन्य सड़क कार्य भी पद्मावती कंट्रक्शन के ठेकेदार किशोर बोरसे ने लिया है वह कार्य पर अभी सिर्फ इसलिए विराम लगा दिया कि, माही की गूंज की नजर बोरसे के भ्रष्टाचार रूपी कार्य पर है। इसलिए एक विराम देने के साथ कार्य शुरू करने की बात बोरसे के नुमाइंदे भी कर रहे हैं।

निम्न स्तर के डामर के साथ अक्षत अग्रवाल ने सड़क पर किया सिलकोट, साईड़ सोल्डर भी सड़क किनारे से खुदाई कर, कर दी कार्य की इतिश्री।

वहीं सूत्र द्वारा यह भी जानकारी मिली है कि, माही की गूंज की खबर के बाद कलेक्टर कार्यालय से जवाब तलब हेतु नोटिस भी जारी हुए हैं। बात यहां सिर्फ भ्रष्ट ठेकेदार किशोर बोरसे पर ही खत्म नहीं होती है। बल्कि क्षेत्र में प्रधानमंत्री सड़क मेंटेनेंस के साथ एमपीआरडीसी की सड़कों पर भी मूलभूत सुविधा के साथ सड़क मेंटेनेंस के नाम पर निम्न स्तर का कार्य कर ठेकेदार अपनी काली कमाई गढ़ रहा है।

थांदला- खवासा के मध्य सागवा से धामनी तक करीब 13 किलोमीटर का सड़क मेंटेनेंस एजेंसी एमपीआरडीसी द्वारा किया जा रहा है। उक्त कार्य का ठेका पीएम अग्रवाल एंड कंपनी द्वारा लिया गया है। उक्त कार्य एमपी आरडीसी के धार डिवीजन में आता है और उक्त सड़क के 13 किलोमीटर के सीलकोड, मेंटेनेंस का कार्य ही देखा जाए तो पीएम अग्रवाल एंड कंपनी का नुमाइंदा अक्षत अग्रवाल द्वारा कार्य करवाया जा रहा है। उक्त कार्य में भी सड़क निर्माण के कार्य की जानकारी रखने वाले व्यक्ति ने यही बताया कि, उक्त कार्य में मटेरियल ग्रेडिंग का मापदंड अनुसार सही उपयोग नहीं होकर, डामर कंटेल निम्न किस्म का डाला जाकर घटिया किस्म का कार्य किया जा रहा है। निर्धारित मापदंड अनुसार सीलकोड़ का थिकनेस भी नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं 12-15 दिन में उक्त सीलकोड कड़क मेंटेनेंस के घटिया कार्य के साथ जो रोड के साइड में शोल्डर ग्रेडिंग किया जा रहा है वो भी पूर्णतः भ्रष्टाचार की भेंट चढाकर गलत ही कार्य किया जा रहा है। मापदंड अनुसार साइड पट्टी में शोल्डर भरने हेतु नियमानुसार ठेकेदार को रॉयल्टी भरने के साथ मोरम अन्य स्थान से लाना होता है और मोरम में पानी का उपयोग करने के साथ रोड रोलर से दबाकर साइट पट्टी को सड़क लेवल से किया जाना होता है। लेकिन मूलभूत सुविधाओं के नाम पर साठ-गांठ कर ठेकेदार उक्त कार्य को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहा है। सड़क निर्माण की जानकारी रखने वाले हमारे सूत्र ने यहां तक बताया कि, उक्त भ्रष्टाचार के कार्य में इंजीनियर से लेकर आला अधिकारी तक की साठ-गाँठ होकर एक फिक्स काली कमाई का हिस्सा ठेकेदार पहुचाता है। नतीजन ठेकेदार द्वारा इस तरह से भ्रष्टाचार रूपी तथा अमानक तरीके से किये जा रहे सड़क मेंटेनेंस के कार्य का पैसा आहरण कर लिया जाता है और जवाबदार गांधीजी के तीन बंदर की तरह गूंगे, बहरे व अंधे बन जाते हैं। इतना ही नहीं अधिकारी से कोई पत्रकार जानकारी मांगता है तो उसे भी गोल-मोल जानकारी अधिकारी देखकर गुमराह कर देते हैं। वहीं हमारे सुत्र बताते हैं कि, ठेकेदार को कोई जानकारी के लिए फोन लगाते हैं तो ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार ट्रूकॉलर पर नाम देखकर जिसका फोन उठाना होता है उसी का उठाते हैं बाकी किसी का फोन नहीं उठाते हैं।

मामले में जब माही की गूंज कार्यालय से भ्रष्ट ठेकेदार अक्षत अगरवाल को 8989609418 से सड़क मेंटेनेंस की वास्तविक स्थिति व लागत की जानकारी लेना चाही तो, कई बार बात करते हुए व्यस्त मोबाइल बताया और कई बार फोन की घंटी जाने के बाद भी ट्रूकॉलर पर मीडिया एजेंसी का नाम देखकर ही जानकारी देने से बचने के लिए फोन अटेंड नहीं किया। वही फोन अंटेड़ नही करने के साथ हमारे सूत्र द्वारा दी गई जानकारी भी भ्रष्ट ठेकेदार अक्षत अग्रवाल के संबंध में सही साबित हुई।

हमारे प्रतिनिधि ने एमपीआरडीसी (धार) जीएम अमित भूरिया से बात की तो उन्होंने बताया कि, अभी उक्त कंपनी का भुगतान नहीं हुआ है और हमारे डीएम साहब भी झाबुआ टीएल बैठक में गए है, संभवतः रोड की साईड पर भी जाकर देखेंगे। ऐसे में जो भी कमी-पेशी होगी सुधारने के निर्देश भी दिए जाएंगे।

आगे जीएम श्री भूरिया की कही बात कितनी सार्थक रहेगी और भ्रष्ट कार्य में क्या सुधार करेंगे यह देखने का विषय रहेगा या फिर हमेशा की तरह समाचार पत्र में लिखे समाचार को आधार बनाकर जवाबदार अधिकारी अपनी कमाई का कमीशन बढ़ाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे। यह भी देखना दिलचस्प रहेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ समापन

माही की गूंज, सारंगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का समापन कार्यक्रम 26 जनवरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर सारंगी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व कन्या हाई स्कूल की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। स्वागत भाषण भाजपा के वरिष्ठ नेता जिला सहकारिता जिला सह संयोजक परमानंद पाटीदार ने दिया। सारंगी मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी ने अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश सरकार की जनहित योजनाओं के बारे मे बताया। उसके पश्चात विधानसभा सहसंयोजक हेमंत भट्ट ने भी शासन की योजना के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी ने अपने उद्बोधन में राम मंदिर निर्माण में त्याग देने वाले का गुणगान किया और शासन की महत्ती योजना का लाभ सभी ज्यादा से ज्यादा ले की बात कही। जनपद पंचायत सीईओ ने राम राज्य के बारे में विस्तृत से बताया, जिस प्रकार राम राज्य में हर एक को सम्मान मिलता था हर एक को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता थी और हर एक अपने घरों में खुशहाली से जीवन व्यतीत करते थे इसी प्रकार अब रामराज आने वाला है के बारे में बताया। भारत सरकार के संकल्प पत्र का वाचन एसडीएम अनिल राठौर ने किया।

कार्यक्रम के बीच-बीच में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कन्या हाई स्कूल की बालिकाओं ने विजय भव गीत की प्रस्तुति दी। हायर सेकेंडरी की बालिकाओं ने 'बालिका पड़ाओ बालिका बढ़ाओ' पर खेल का मंचन किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी सुरेश चंद्र परिहार द्वारा किया गया। इसी कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सारंगी द्वारा क्षेत्र में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए स्थानीय पत्रकारों का सम्मान अनुविभागीय अधिकारी, जनपद सीईओ, जनपद अध्यक्ष ने करते हुए मोमेंटो भेंट किए। उन्नत युवा कृषक पंकज पाटीदार ने नेटशेड नेट हाउस के फायदे के बारे में बताया। उपस्थित नागरिकों ने अपनी समस्याओं के कई? आवेदन दिए। इस अवसर पर ग्राम के पत्रकार, जनपद व ग्राम पंचायत के सभी कर्मचारी गण, ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्कूल में 7 वर्षीय छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत

माही की गूंज ,पेटलावद।

नगर के रूपगढ़ रोड स्थित निजी प्रोग्रेसिव स्कूल में बुधवार को स्कूल की आधी छुट्टी के समय खेलते समय अचानक तबीयत बिगड़ गई। मासुम छात्रा की तबीयत बिगडने के बाद स्कूल प्रशासन द्वारा इलाज के लिए निजी चोयल हॉस्पिटल लेजाया गया जहां बालिका को मृत घोषित कर दिया गया। छात्रा का नाम कुमारी कृतिका पटेल बताया जा रहा है। जो ग्राम बरवेट की रहने वाली थी और प्रोग्रेसिव स्कूल में पड़ती थी। छात्रा को हार्ड में बचपन से कोई दिक्कत होने की जानकारी सामने आ रही है। छोटी सी उम्र में कृतिका के निधन ने परिवार के साथ-साथ स्कूल और ग्राम बरवेट में शोक की लहर छा गई।

होनहार बेटी अंजली बनी कृषि विस्तार अधिकारी

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर की होनहार बेटी अंजली पिता रमेश सोलंकी का चयन मध्यप्रदेश में कृषि विस्तार अधिकारी पद पर हुआ है। अंजली को पूरे मध्यप्रदेश की प्रवीण सूची में 67 वी रेंक मिली है। अंजली सोलंकी की सफलता पर नगर के लोगो ओर परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

तहसील मुख्यालय से ग्रामों को जोड़ती सड़क का चौड़ीकरण जरूरी

सड़क के संकरा होने से आए दिन हो रही दुर्घटना

माही की गूंज, बरवेट। जगदीश प्रजापत

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा निर्मित पेटलावद-बरवेट-देवली मार्ग के चौड़ीकरण नहीं होने से आए दिन दुर्घटना होती रहती है। जिसका खामियाजा आमजन को जान से हाथ धोकर भुकतना पड़ता है। आए दिन इस सड़क पर दुर्घटना होती रहती है। जिसके चौड़ीकरण की मांग उठने लगी है। बतादे कि, पेटलावद, बरवेट, देवली मार्ग की लंबाई 21 किलोमीटर है। यह मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत क्षेत्र का पहला मार्ग बनाया गया था। जिसका निर्माण सन 2003 में हुआ था। दो दशक बाद यह मार्ग जर्जर हो गया है, साथ ही आवागमन बढ़ गया है। जिससे आए दिन दुर्घटना होती रहती हैं। यह मार्ग दर्जनों पंचायतों के सेकड़ो गाव के हजारों लोगों को तहसील मुख्यालय से जोड़ता है। ग्रामीणों की मांग है कि, शीघ्र ही इस मार्ग को चौड़ा नही किया गया तो ग्रामीणो द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

सकरे मार्ग के कारण हो रहे हादसे

बरवेट मंडलम के अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक त्रिवेदी ने बताया कि, बरवेट, पेटलावद, देवली मार्ग काफी सकरा है। इस मार्ग से हजारो की संख्या में ग्रामीण दुपहिया, चार पहिया वाहन से सफर करते है। सड़क कम चौड़ी होने के कारण आए दिन हादसे के शिकार होते है। इस मार्ग को चौड़ा करने के लिए कई बार पूर्व जनप्रतिनिधियों ओर अधिकारियों से चर्चा की गई लेकिन इस ओर उनका ध्यान ही नही गया। इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि, यदि शीघ्र सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सरकार की पालिसी समझ से परे

बरवेट के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजयपाल सिंह राठौर ने बताया कि, सरकार की क्या पालिसी है समझ से परे है। जिस सड़क पर ज्यादा ट्रैफिक ओर आवागमन है उसकी सुध नही ली जा रही है। और जिस रोड पर कोई ट्रैफिक नही है उसको दूसरी बार बना दिया जा रहा है। जबकि इस रोड पर शिविल हॉस्पिटल में इलाज के लिए सेकड़ो लोग ओर उच्च शिक्षा के लिए हजारो की तादात में छात्र पड़ने हेतु आते-जाते है। सरकार और उसके नुमाइंदे को इस ओर ध्यान देकर शीघ्र ही देवली-पेटलावद मार्ग को चौड़ा करने के लिए प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए वरना आंदोलन किया जाएगा।

जन हितेषी मुद्दा है, शीघ्र ही निराकरण होना चाहिए

बरवेट के भाजपा नेता संजय परमार ने बताया कि, मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने विकास के नाम पर प्रचंड जीत दर्ज की है। रही बात पेटलावद,बरवेट,देवली मार्ग के चौड़ीकरण की तो यह समस्या जटिल है। पिछले कई सालों से इसकी मांग को पूरा करना चाहिए। जबकि इस क्षेत्र की विधायक सुश्री निर्मला भूरिया को कैबिनेट मंत्री पद मिला है। आशा है शीघ्र ही इस पर अमल होगा।

कथनी और करनी में फर्क

भाजपा सरकार पर जनसमस्याओं की अनदेखी का आरोप पूर्व विधायक वालसिंह मैंड़ा ने लगाते हुए कहा कि, भाजपा सरकार की कथनी ओर करनी में फर्क है। सरकार ग्रामीण क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या सड़क को लेकर है। आवागमन बढ़ने से सड़को को चौड़ा करना चाहिए। जबकि सरकार सड़क को लेकर विकास के दावे करती है, लेकिन इस प्रकार की समस्या सरकार के विकास के दावों की पोल खोल रही है।

जल्द ही रोड चौड़ीकरण की सौगात दी जाएगी

केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने बताया कि, पेटलावद-बरवेट-देवली मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर ग्रामीणों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अवगत करवाया था। मेने इस बारे में पीएमजीएसवाय के अधिकारियों से चर्चा करती हु। साथ ही सड़क को चौड़ा करने के लिए स्टीमेट बनाने का बोलती हूं। शीघ्र ही लोकसभा चुनाव के पुर्व इस समस्या से निजात के लिए रोड चौड़ीकरण की सौगात ग्रामीणों को दी जाएगी।

रहने को घर नही है, सारा जहां हमारा..!

देश के अन्य भागों की तरह राजधानी दिल्ली इन दिनों कड़ाके की सर्दी से ठिठुर रही है। सत्ता के केंद्र इस महानगर में कई लोग जाड़े के कारण दम तोड़ चुके हैं। दिल्ली सरकार आंकड़ों को स्वीकार कर रही है कि पिछले दो सालों की तुलना में इस बार ठंड से मरने वालों की संख्या अधिक है। सरकारी एजेंसियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार एक से 22 जनवरी के बीच दिल्ली में तकरीबन 180 लोग जाड़े के चलते अपनी जान से हाथ धो बैठे। इनमें से 80 फीसद लोग बेघर थे। मरने वालों में 30 प्रतिशत वे थे जो पहले से बीमार थे और यह ठंड झेल नहीं पाए।

सेंटर फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) और दिल्ली सरकार की स्वायत्त संस्था दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डुसिब) के साथ मिलकर बेघरों की मौतों का आंकड़ा एकत्रित करते हैं। इसमें दिल्ली पुलिस व अन्य निजी एजेंसियां विभिन्न अस्पतालों के पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए शवों की शिनाख्त के जरिए इनकी पहचान करती हैं।

वहीं दूसरी ओर, आश्रयगृहों का हाल यह है कि बुनियादी सुविधाएं बेहाल हैं। आसमान के नीचे जिंदगी असमय मौत का शिकार हो रही है। सरकार का संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। सत्ता के केंद्र लुटियंस दिल्ली के कई इलाकों में खुले में रात बिताने वाले दिख जाते हैं। कई ऐसे इलाके हैं जहां बेघर फुटपाथ पर सोते और अलाव के सहारे रात गुजारते दिख जाएंगे। चिकित्सक बताते हैं कि यदि पेट खाली हो तो ठंड की चोट जानलेवा हो जाती है।

दिल्ली सरकार के अनुसार रैनबसेरों में हर रात बीस हजार लोग आश्रय पा रहे हैं। इनमें स्थाई भवन केवल 82 हैं। पोर्टा केबिन वाले 103 और अस्थाई टेंट वाले 134 रैनबसेरे सरकारी रिकार्ड में हैं। इसके बावजूद कई फ्लाई ओवर के नीचे हजारों लोग रात काटते मिल जाएंगे। इन रैनबसेरों में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। खासकर औरतों के लिए शौचालय, कपड़े बदलने की जगह या अपना सामान सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था है नहीं। इन आश्रयघरों में कोई सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है। बहुत से नशेड़ी और असामाजिक तत्व इन पर कब्जा किए हुए हैं। यहां दरियां-चादरें सीलनभरी और चूहों द्वारा कुतरी हुई होती हैं। ऐसे स्थान पर रात बिताने वालों को सांस लेने में तकलीफ होती हैं। सूखी खांसी, ॉसीने में दर्द और हाथ-पैर सुन्न होने जैसी तकलीफ तो आम शुमार है। सबसे दर्दनाक हालात एम्स व सफदरजंग अस्पताल के पास के हैं, वहां बीमार व उनके साथ आए तिमारदारों की संख्या हजारों में है, जबकि दो रैनबसेरों की क्षमता बामुश्किल 150 है। लोग सारी रात भीगते दिखते हैं ओस व कोहरे में। नए बीमार अस्पताल की शरण में चले जाते हैं। मीना बाजार व जामा मस्जिद के रैनबसेरों में सात से आठ सौ लोगों के सोने की जगह है। दिल्ली की त्रासदी है कि यहां के रैनबसेरे गैर-सरकारी संगठनों के बदौलत हैं और वहां काम करने वाले कर्मचारी बहुत मामूली वेतन पाते हैं। सरकारी प्रश्रय वाले संगठनों को ये रैनबसेरे बांट दिए जाते हैं और फिर कोई उनकी सुध लेता नहीं।

एक तो कड़ाके की ज्यादा ठंड, ऊपर से न ओढ़ने-बिछाने को पर्याप्त साधन, न ही पौष्टिक भोजन, न्यूनतम स्वास्थ्य सेवा की तो बात ही क्या की जाए। अनुमान है कि दिल्ली और उससे सटे यूपी-हरियाणा के जिले, जिन्हें एनसीआर कहा जाता है, में कोई दो लाख लोग बेघर हैं। हाल ही में गाजियाबाद में तो प्रशासन ने आदेश दिया है कि रैनबसेरों में रहने वालों की नियमित स्वास्थ्य जांच हो। दिल्ली के सब्जी मंडी मोर्चरी के रिकार्ड में दर्ज है कि वहां रखे लावारिस शवों में सात-आठ ऐसे हैं जो जाड़े और भूख की दोहरी मार के कारण मारे गए।

आखिर इतने सारे लोग क्यों आसमान तले सोते हैं? इसके पीछे सोच यह भी है कि झुग्गी लेंगे तो कहीं दूर से आना होगा। फिर आने-जाने का खर्च बढ़ेगा, समय लगेगा और झुग्गी का किराया देना होगा सो अलग। राजधानी की सड़कों पर कई तरह के भारी ट्रैफिक पर पाबंदी के बाद लाल किले के सामने फैले चांदनी चौक से पहाड़गंज तक के सीताराम बाजार और उससे आगे मुल्तानी ढांडा व चूना मंडी तक के थोक बाजार में सामान के आवागमन का जरिया मजदूरों के कंधे व रेहड़ी ही रह गए हैं। यह काम कभी देर रात होता है तो कभी अलसुबह। ऐसे में उन्हीं मजदूरों को काम मिलता है जो वहां तत्काल मिल जाएं। फिर यदि काम करने वाला दुकान का शटर बंद होने के बाद वहीं चबूतरे या फुटपाथ पर सोता हो तो बात ही क्या है? मुफ्त का चौकीदार। अब सोने वाले को पैसा रखने की कोई सुरक्षित जगह तो है नहीं, यानी अपनी बचत भी सेठजी के पास ही रखेगा। एक तो पूंजी जुट गई, साथ में मजदूर की जमानत भी हो गई। बहुत से लोग तो रैनबसेरे में इस लिए नहीं घुस पाते क्योंकि उनके पास आधार कार्ड नहीं होता।

पंकज चतुर्वेदी

एक गैर-सरकारी संगठन की सर्वे रिपोर्ट से पता चलता है कि इन बेघरों में से 23.9 प्रतिशत लोग ठेला खींचते हैं व 19.8 की जीविका का साधन रिक्शा है। इसके अलावा ये रंगाई-पुताई, कैटरिंग, सामान की ढुलाई, कूड़ा बीनने, निर्माण कार्य में मजदूरी जैसे काम करते हैं। कुछ बेहतरीन सुनार, बढ़ई भी हैं। इनमें भिखारियों की संख्या 0.25 भी नहीं थी। ये सभी सुदूर राज्यों से काम की तलाश में यहां आए हुए हैं।

2022 से भुगतान बाकी : संबल योजना में नही मिल रहा पीड़ित परिवारों को संबल, लाडली बहना ने लगाया कई योजनाओं पर ग्रहण

माही की गूंज, पेटलावद।
राकेश गेहलोत

प्रदेश की नई मोहन सरकार के सामने खुद की पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई योजनाओं का संचालन करने की बडी चुनोती थी। लाडली बहना योजना की किश्त नई सरकार ने डाल कर ये बताने का प्रयास किया कि, सरकार की कोई योजना बन्द नही होगी। लेकिन सरकार का बड़ा मेंटेनेंस लाडली बहना योजना को संचालित करने में लग गया, जिससे कई दूसरी योजनाओं में सरकार, लोगो को समय से भुगतान नही कर पा रही। बताया जा रहा है सरकार का खजाना इस कदर खाली हुआ पड़ा है कि, कई योजनाओं पर बन्द होने का ग्रहण लग चुका है। ऐसी ही एक योजना पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई थी, जिसका नाम संबल योजना है। जिसमे 60 वर्ष के कम उम्र के मृतक व्यक्ति के परिवार को सरकार की ओर से दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता किये जाने का प्रावधान है। इस योजना के लाभ के लिए कई परिवार परेशान हो रहे हैं। जब इसकी जानकारी जुटाई गई तो चौकाने वाली जानकारी सामने आई। जिसमें पता चला कि विगत डेढ़-दो वर्षो से उक्त योजना में कोई भुगतान नही हुआ।

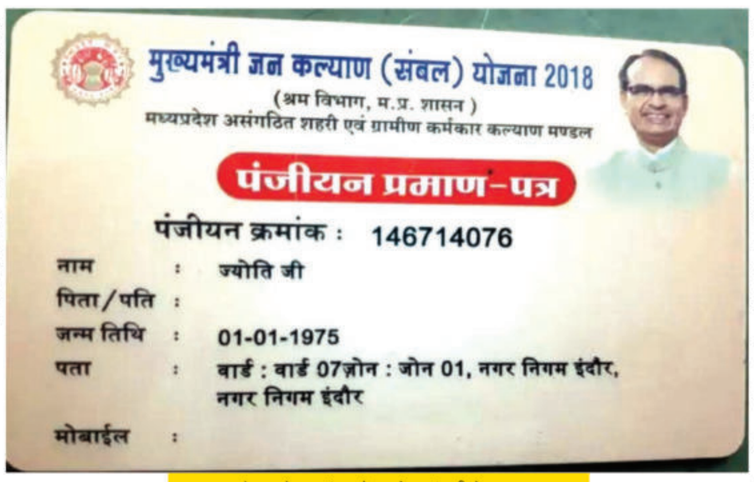
मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना 2018
(श्रम विभाग, म.प्र. शासन)
मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल
पंजीयन प्रमाण-पत्र
पंजीयन क्रमांक : 146714076
नाम : ज्योति जी
पिता / पति :
जन्म तिथि : 01-01-1975
पता : वार्ड : वार्ड 07ज़ोन : जोन 01, नगर निगम इंदौर, नगर निगम इंदौर
मोबाईल :

2022 के बाद से लगा संबल योजना में ग्रहणं, नही हो रहा भुगतान।

2022 में हुआ अंतिम भुगतान, लगभग 150 मामले लंबित, तीन करोड़ का होना है भुगतान

पेटलावद विकास की जनपद पंचायत के माध्यम से संबल योजना के आवेदन किये जाते हैं, जब इस संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया तो पता चला कि, इस योजना में अंतिम बार भुगतान वर्ष 2022-23 में हुआ था जिसके बाद से भुगतान होना बाकी है। वर्तमान में लगभग 140 से 150 मामले पोर्टल पर दर्ज है जिनका 3 करोड़ का भुगतान होना बाकी है। फिलहाल सरकार की ओर से इस संबंध में कोई ऐसी जानकारी नही मिल रही जिससे ये पता चल सके कि, आगामी एक-दो माह में भी इस योजना का कोई भुगतान होगा।

सरकार कही न कही लाडली बहना योजना के संचालन के चक्कर मे कई योजनाओं के बन्द होने की कगार पर आ गई हैं ऐसा लगता है। जिंसमे संबल योजना भी एक है जिसके बन्द होने की चर्चा है।

एक विकास खण्ड में तीन करोड़ तो पूरे प्रदेश में कितने

60 वर्ष के कम आयु के लोगो की मृत्यु के बाद परिवार को बड़ी आर्थिक मद्दत दो लाख रुपये की मिलती है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में इस योजना से कई परिवारों को उभरने में सहायता मिली हैं। बात करे पेटलावद विकास खण्ड की तो तीन करोड़ का भुगतान एक विकास खण्ड में बकाया है। ऐसे में पूरे मध्यप्रदेश में क्या स्थिति होगी सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। लोकसभा चुनाव की आहट हो चुकी है और कांग्रेस अब इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। पूर्व विधायक वालसिंह मेड़ा ने कहा है कि, सरकार का खजाना पूरी तरह खाली है और कई योजनाएं बन्द होने की कगार पर है। प्रदेश की भाजपा सरकार योजनाओं के नाम पर जनता को केवल गुमराह करती हैं।

सिंगल क्लिक में होता है भुगतान

संबल योजना के हितग्राहियों को भुगतान सिंगल क्लिक में सीधे भोपाल से होता है। जनपद स्तर से प्रकरण ऑनलाइन होता है भुगतान में देरी होने के कारण कई बार भुगतान के चक्कर मे दलालों को पैसा देकर काम करवाने के लोभ में पड़ कर खुद का आर्थिक नुकसान कर लेते हैं।

जनपद पेटलावद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश दीक्षित ने बताया कि, ये सरकार का मामला है हमारे यहाँ से प्रकरण भेज दिए जाते है और सरकार पूरे प्रदेश में एक साथ एक क्लिक में हितग्राहियों के खाते में सीधे भुगतान करती हैं, इस बार भुगतान शायद चुनावो की वजह से लेट हो रहा है।

शराब दुकान के सेल्समैन की मौत बनी चर्चा का विषय

माही की गूंज़, कालापीपल।

सुजालपुर की कालापीपल तहसील के ग्राम खरदोनकला में लाइसेंसी शराब दुकान में पवन तोमर निवासी मुरैना जो की सेल्समैन के रूप में पदस्थ था ने मंगलवार को दिन में ही शराब दुकान के अंदर ही फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। शराब दुकान के सेल्समैन द्वारा इस तरह से शराब दुकान के अंदर ही फांसी के फंदे पर झूल मौत को गले लगाने वाली चर्चा जैसे ही गांव व शहर में आई तो वह बड़ी चर्चा का विषय बन गई है। आज तक कभी ऐसा देखने में नहीं आया कि, शराब दुकान में काम करने वाले कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली है और वह भी दिनदहाड़े। शराब दुकान के अंदर ही मौके पर पुलिस के साथ एफएएसल के अधिकारी भी पहुंचे और जांच पड़ताल की। प्रथम जांच में पुलिस का कहना है कि, मृतक का मोबाइल ऐसी दिशा में घटनास्थल पर मिला जैसे वह अपनी ही आत्महत्या का वीडियो बना रहा हो या फिर किसी को अपनी आत्महत्या का लाइव वीडियो कॉल कर बता रहा हो ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन पुलिस ने यह भी बताया कि, मोबाइल लॉक है जिसे टेक्नीशियन के द्वारा पासवर्ड के साथ मोबाइल को चालू करने के बाद ही कुछ जानकारी मिलने की उम्मीद है। किसी प्रकार का कोई लिखित सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं उक्त मौत के बाद में कई तरह की चर्चा चल रही है कि, शराब दुकान के सेल्समेन का स्टाफ के व्यक्ति से किसी प्रकार का विवाद हुआ हो और यह घटना को अंजाम दिया, वहीं यह भी चर्चा है कि, जिस तरह से पुलिस बता रही है की घटनास्थल पर उसका मोबाइल वीडियो या वीडियो कॉल करने की लोकेशन में मिला है। ऐसे में सेल्समैन किसी अन्य से प्रताड़ित था और उसने मौत को गले लगा लिया यानी कि उसे आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया हो...? जो भी हो आगे पुलिस क्या खुलासा करती है वो बाद में ही पता चलेगा।

जिंदा को मुर्दा बता रही ग्राम पंचायत, खुद के जीवित होने का अस्तित्व तलाशती शांतिबाई

गारे के चूल्हे बनाकर जीवन यापन करने वाली शांतिबाई अब खुद को जीवित साबित करने कर रही संघर्ष।

माही की गूंज़, पेटलावद/बरवेट।

पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम बरवेट में चौकाने वाला मामला सामने आया है, यहां ग्राम पंचायत बरवेट के सचिव और रोजगार सहायक की गलती से एक महिला को इतनी भारी पड़ी के महिला ओर उसका परिवार अब महिला के जीवित होने के बाद भी जीवित साबित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। ग्राम बरवेट की निवासी शांतिबाई प्रजापत की ग्राम पंचायत बरवेट ने जीवित होने के बाद भी मृतक घोषित कर दिया। मामला परिवार की जानकारी में जब आया जब अप्रैल 2023 में सरकार की लाडली बहना योजना के लाभ के लिए आवेदन जमा हो रहे थे। शांतिबाई आवेदन के लिए ग्राम पंचायत भवन पहुँची तो आधार से समग्र आईडी की केवाईसी करवाने को कहा गया। महिला ने जब इस कार्य के लिए ऑनलाइन दुकान पर पहुँची तो आईडी से उसका नाम गायब था, नई आईडी की प्रिंट निकालने पर पता लगा की जीवित महिला 19 वर्ष पूर्व 2005 में ही मृत हो गई थी, जिसका नाम ग्राम पंचायत के पूर्व सचिव कैलाश भाभर और रोजगार सहायक ने वर्ष 2023 अप्रैल में हटा दिया।

8 माह से नाम जुड़वाने को परेशान, ग्राम पंचायत ने नही की कोई मदद

विगत 8 माह से महिला और उसका परिवार समग्र आईडी में नाम जुड़वाने के लिए परेशान हो रहा है और पेटलावद से झाबुआ तक के चक्कर लगा चुका है। 10 जनवरी 2024 को बरवेट पहुँची भारत संकल्प यात्रा में भी परिवार ने आवेदन देकर मामला अधिकारीयो की जानकारी में डाला लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नही मिला। महिला के परिवार का आरोप है कि, ग्राम पंचायत के पूर्व सचिव और रोजगार सहायक द्वारा उनकी गलती सुधारने की बजाए पंचायत से धोस दपड देकर भगा दिया और कह दिया कि सरकारी रेकॉर्ड में मर चुके हो अब आईडी नही जुड़ेगी।

योजनाओं के लाभ से वंचित हुआ परिवार, सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद जागा प्रशासन

विगत 8 माह से महिला शासन की लाडली बहना सहित अन्य सरकारी योजना के लाभ से वंचित हो गई वही जिन भी कार्यो में समग्र आईडी की आवश्यकता पड़ रही थी वो सारे कार्य रुक गए। अपनी समस्या का निराकरण नही होता देख महिला के परिवार ने सीएम हेल्पलाइन पर दो बार शिकायत की जिसके बाद प्रशासन ने इस मामले में रुचि लेते हुए महिला का नाम पुनः जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर महिला को 8 दिन में नाम जोड़ने का आश्वासन दिया है।

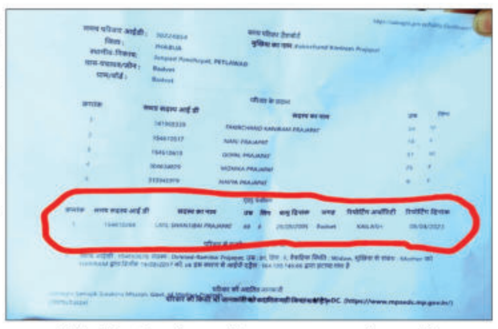
समग्र आईडी में जीवित महिला को 2005 में मृतक बता कर 2023 में नाम हटा दिया गया।

मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग

महिला शांतिबाई ने बताया कि, उसके परिवार को ग्राम पंचायत द्वारा नाम जोड़ने से मना करने और मृत्यु होना बताने पर ग्राम पंचायत से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की मांग भी की लेकिन ग्राम पंचायत ने मृत्यु प्रमाण पत्र देने से मना कर दिया। इस संबंध में जनपद सीईओ राजेश दीक्षित ने महिला की शिकायत का जल्द निराकरण करने और लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्यवाही की बात कही है।

विदाई समारोह हुआ संपन्न

माही की गूंज, करवड़। पुलिस थाना पेटलावद क्षेत्र के ग्राम करवड़ पुलिस चौकी पर पदस्थ एएसआई छोटे खा मंसूरी का विदाई समारोह हुआ। विदाई समारोह का नेतृत्व कर रहे एसडीओपी सौरभ तोमर, पेटलावद टीआई प्रदीप वाल्टर, एसआई गोरधन मकवाना, कमल मिदल, नवल सिंह बघेल, राहुल भिंडे, राधेश्याम जाटव, जितेंद्र दोहरे चौकी प्रभारी सारंगी एवं चौकी प्रभारी करवड़ राजाराम भगोरे के द्वारा पुलिस चौकी परिसर में आयोजन रखकर विदाई दी गई।

एएसआई छोटे खा मंसूरी की 43 साल की सर्विस में उन्होंने बेदाग सर्विस को पूरा किया। 62 साल की उम्र में मंसूरी सर का विदाई समारोह हुआ। विदाई समारोह में टीआई द्वारा चल मुसाफिर अकेला चल बाघ खुशबू देता है के गानों पर खूब तालिया की गड़गड़ाहट हुई।

समारोह में सरपंच विकास बाबूलाल गामड़ द्वारा माला पहनकर साल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह राठौड़ गंगाखेडी एवं राधेश्याम प्रजापत के द्वारा साफ़ा बांधकर विदाई दी गई। समारोह में उपस्थित पुलिस चौकी स्टाफ एवं गांव के कई वरिष्ठ नाथूलाल सिनम, उपसरपंच राजेश पाटीदार, भैरूसिंह चौहान, धर्मेंद्र सोलंकी एवं ग्राम के पत्रकार उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर रबी फसल खरीदी का रजिस्ट्रेशन 5 फरवरी से

माही की गूंज़, बरवेट।

मध्यप्रदेश सरकार ने एमपी उपार्जन पोर्टल पर गेहूं समर्थन मूल्य रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का आदेश जारी किया गया है। प्रदेश में अब गेहूं पंजीयन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है जिसमें किसानों को गेहूं एवं चने की बिक्री हेतु शासन द्वारा निर्धारित सशुल्क और निशुल्क पंजीयन सेंटर पर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। किसान पंजीयन प्रक्रिया की अंतिम तारीख से पहले किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं एवं चने की बिक्री हेतु अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से करवाना होगा। 5 फरवरी से किसान पंजीयन शुरू कर सकते हैं जो 15 मार्च तक चलेगा।

उचित दाम के लिए यह योजना

किसानों को अपनी फसल को अधिक मूल्य पर बेचने के उद्देश्य से सरकार द्वारा उपार्जन पोर्टल की शुरुआत की गई है। समर्थन मूल्य पर सरकार द्वारा तय की गई एक न्यूनतम राशि है। जिस पर किसान अपनी फसल को बेच सकते हैं। अलग-अलग फसलों के लिए सरकार अलग-अलग प्रकार के समर्थन मूल्य तय किया है। सरकार समर्थन मूल्य पर गेहूं एवं चने की खरीद हेतु उपार्जन पोर्टल का उपयोग करती है। इस पोर्टल पर किसानों की फसल की खरीदी की जाएगी। जिससे किसान को अपनी फसल का उचित दाम मिलेगा।

समर्थन मूल्य में वृद्धि

प्रदेश सरकार ने गेहूं के समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। जो गेहूं पिछले वर्ष किसानों से 2175 रुपए क्विंटल खरीद जा रहा था, उस गेहू को सरकार अब 2275 रुपए प्रति क्विंटल के भाव में खरीदेगी। इसके साथ ही सरकार द्वारा विभिन्न फसलों के समर्थन मूल्य में भी वृद्धि की गई है जिसे आप अलग-अलग राज्य की आधिकारिक कृषि विभाग की वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

सरकार के आदेशानुसार खरीदी कि जाएगी

पेटलावद विपणन सहकारिता संस्था के प्रबंधक मांगीलाल पटेल ने बताया कि, पांच फरवरी से एक मार्च तक पंजीयन होंगे। 15 मार्च से गेहू खरीदा जाएगा। जिसकी एक पेटलावद तहसील के अंतर्गत 11 खरीदी केंद्र पेटलावद में दो केंद्र, रायपुरिया दो केंद्र, बोलसा एक केंद्र, झकनावदा एक केंद्र, बामनिया में एक केंद्र, करवड़ एक केंद्र, मठमठ एक केंद्र, सारंगी में एक केंद्र बनाए गए है। जहाँ पर रबी की फसलो को समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा।

रामलला आ गए, दूसरी दिवाली भी मना ली, अब धार्मिक विरासत संजोने की जरूरत

माही की गूंज, झाबुआ।
विजय पाटीदार

22 जनवरी को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को पूरे देश भर में एक महोत्सव की तरह मनाया गया या यूं कहे कि, देश में इस वर्ष की दूसरी दिवाली की तरह मनाया गया। आयोजन को लेकर कुछ राजनीतिक दलों, चारों पीठों के शंकराचार्य, कई संगठन व कुछ जन मानस के विरोध के बावजूद आखिरकार रामलाल आए गए। स्वाभाविक है कि, अब हर वर्ष राजनीतिक दल 22 जनवरी को दिवाली के रूप में मनाएंगे व बड़े-बड़े आयोजन दलों की ओर से किए जाएंगे।

उक्त आयोजन को लेकर देश भर में कई तरह की तैयारी शुरू हो चुकी थी। जिसमें दीवारों पर जय श्री राम लिखना, मेरा गांव या मेरा शहर मेरी अयोध्या लिखना, भगवान राम चित्रित भगवा ध्वज अपने-अपने घरों, दुकानों, सड़क के किनारे पर मंदिरों पर लगाना, मंदिरों को विद्युत लाइटों से सजाना, मंदिरों की साफ-सफाई नेताओं द्वारा कैमरामैन को ले जाकर करना। सुबह-शाम को राम नाम की फेरी निकालना, जुलूस निकालना, वाहनों पर भगवान राम चित्रित भगवा ध्वज लगाना आदि ऐसे अनेक कार्य किए गए। अब समय है कि, इस धार्मिक संस्कृति को हम हमेशा के लिए संजोकर रखें।

प्रकृति के नियम ही है परिवर्तन

क्योंकि प्रकृति का मूल नियम ही परिवर्तन है जिसे कोई झुठला नही सकता। इसलिए यह निश्चित है कि, समय के साथ दीवारों पर लिखी हुई लिखावट मिट जाएगी या कहीं उसके ऊपर कोई अन्य पोस्टर लगाकर उसे ढक दिया जाएगा या जो भगवा ध्वज लगाए गए हैं हवा में लहराते-लहराते कहीं न कहीं फटने में भी जरूर आएंगे। कई जगह चौक-चौराहो पर श्री राम चित्रित पोस्टर बेनर लगाए गए है। ऐसे में हमारा यह नैतिक दायित्व बनता है कि, जहां पर भगवान श्री राम का नाम लिखा हुआ है उसे व्यवस्थित रखें, अगर वह कहीं मिट रहा है या उसका कलर निकल रहा है या तो उसे पूर्ण रूप से साफ कर दे या दोबारा सही करे।

यदि ध्वज हवा में लहराता हुआ समय के साथ फटने की कगार पर आ रहा है या कहीं से गिर चुका है तो, उसे स-सम्मान से उतारे । तथा उसकी जगह नया ध्वज लगा दे या उस स्थान को निरंक छोड़ दें। वही पोस्टर बैनर आदि को फटने-टूटने से पहले ही उतार कर रख ले।

धर्मनिरपेक्षता धरातल पर जरूरी

हमारा संविधान हमें धर्मनिरपेक्षता सीखता है और ऐसे में कई जगह देखने में आया है कि, 22 जनवरी को जो जुलूस देश के कोने-कोने में निकाला था उसमें मुस्लिम समुदाय व अन्य समुदाय ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। कई जगह पर निकाले जा रहे जुलूस का स्वागत पुष्प वर्षा आदि से किया गया था। जिससे हम यह शहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि, हिंदू-मुस्लिम वाद-विवाद अब देश में रह नहीं गया है। हमें आपस में मिलजुल कर रहना है यही हमारा संविधान भी हमें सिखाता है। ऐसे में अन्य समुदाय के जब भी कोई त्यौहार आते हैं तब वह भी फेरी निकालेंगे, झंडा लगाएंगे, जुलूस निकालेंगे, ऐसे में सनातन धर्म से भी यही अपेक्षा रहेगी कि, वह उनका भी सम्मान करें। जिस प्रकार उन्होंने रामलाल के आगमन का सम्मान किया। हमें यह भी सुनिश्चित करना पड़ेगा कि, जिस संविधान के आधार पर हमारा पूरा देश चल रहा है उसे धरातल पर भी हमें संजोकर रखना पड़ेगा।

तिरंगे की तरह ध्वज का सम्मान भी जरूरी

तिरंगे को देश में बड़े सम्मान के साथ रखा जाता है, सम्मान पूर्वक उसे फहराया जाता है। अगर कहीं पर तिरंगे का अपमान किया जाता है तो उसके लिए बकायदा देश में कानून बना हुआ है उसे अपराध की श्रेणी में गिना जाता है। इस तरह देश में राम नाम के ध्वज का भी सम्मान अब किया जाना चाहिए तथा जो भी असामाजिक तत्व यदा-कदा उसे राम नाम के ध्वज का अपमान करता है तो उसके साथ कड़ाई से निपटना चाहिए। तथा आपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए। देश में एक ऐसी कानून व्यवस्था होनी चाहिए कि, चाहे धार्मिक ध्वज हो या भगवान के फोटो जो कई सामग्री पर छपे हुए आते हैं बाद में उन्हें कूड़ा-करकट की तरह इधर-उधर फेंक दिया जाता है, जिस पर पाबंदी लगे।

संपादकीय

बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं

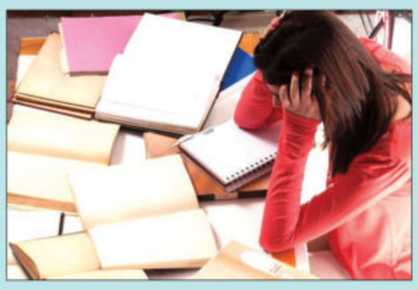

जब 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम में देश के करोड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों से दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम व वर्चुअल संवाद के जरिए प्रधानमंत्री परीक्षा भय से मुक्त होने की बात कर रहे थे, देश के कई भागों से छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आ रही थीं। जाहिर है, अभिभावक व शिक्षक इन बच्चों के मानसिक द्वंद्व व वास्तविक दिक्कतों को नहीं समझ पा रहे हैं, जिसके चलते इन बच्चों को मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प नजर आ रहा है। निश्चित रूप से परीक्षा का भय इस कदर बच्चों पर हावी है कि उन्हें लगने लगता है कि परीक्षा में असफलता के बाद जीवन में कुछ शेष नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री ने इस संबोधन में इन तमाम चुनौतियों को संबोधित किया। उन्होंने गहरी बात कही किदृ 'बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं।' यह एक हकीकत है कि, अपने जीवन में शैक्षिक व रोजगारपरक लक्ष्यों को हासिल न कर पाने वाले अभिभावक अपने बच्चों से आईएएस, डॉक्टर व इंजीनियर बनने की उम्मीद पाल बैठते हैं। जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए यह नहीं सोचते कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं और हमारी उम्मीदों का बोझ वे किस सीमा तक बर्दाश्त कर पाएंगे। संगरूर में मेरिटोरियस स्कूल के हॉस्टल से एक छात्र के पिता को फोन जाता है कि तुम्हारे बच्चे के नंबर कम आए हैं। उसे हॉस्टल से निकाल दिया जाएगा। इसके तीन घंटे बाद खबर आई कि छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। यहां इस फोन करने वाले शिक्षक की जवाबदेही तय की जानी चाहिए कि उसने ऐसा संवेदनहीन व्यवहार क्यों किया। क्या नंबर कम आने के लिये छात्र को हॉस्टल से निकाल देना समस्या का समाधान है...? यह दबाव अभिभावकों पर बना तो छात्र तनाव में आ गया। क्या उन कारणों की पड़ताल नहीं की जानी चाहिए थी जिसकी वजह से छात्र के नंबर कम आए...? नए दौर में संक्रमणकाल से गुजर रहे छात्रों को समझने में क्या शिक्षक जिम्मेदार भूमिका निभा रहे हैं...?

वहीं दूसरी ओर कोचिंग बाजार का गढ़ बन चुके कोटा में छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला थम नहीं रहा है। कोटा से फिर एक संभावना के अस्त होने की खबर आ रही है। वहां से बुरी खबर आई कि सोमवार को जेईई व नीट परीक्षा की तैयारी कर रही 18 वर्ष की निहारिका ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले लिखे पत्र में उसने लिखा, 'मम्मी-पापा, मैं जेईई नहीं कर सकती, इसलिए सुसाइड कर रही हूं। आई एम लूजर, यही लास्ट ऑप्शन है।' जाहिर है बच्ची इतनी भयाक्रांत थी कि परीक्षा से पहले ही आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। जाहिर है इस फैसले में परिवार की उम्मीदों का बोझ ही शामिल होगा, जिसके चलते परीक्षा की विफलता को उसने जीवन का अंत मान लिया। आखिर क्यों मां-बाप बच्चों के साथ ऐसा सहज संवाद नहीं बना पाते कि इस आत्मघाती फैसले से पहले वह किसी तरह का विमर्श उनके साथ कर सके...? क्यों हम बच्चों के सामने ऐसे हालात पैदा कर देते हैं कि उन्हें लगता है कि परीक्षा में उत्तीर्ण न हुए तो जीवन ही खत्म हो जाएगा...? प्रश्न यह भी है कि उम्मीदों का कब्रगाह बनते कोटा भेजने से पहले क्या अभिभावकों ने सोचा है कि क्या जेईई में निकलना निहारिका का पैशन भी है...? हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। ईश्वर उसे किसी निश्चित लक्ष्य के लिए रचता है। दुर्भाग्य से मां-बाप उसकी रुचि व रुझान को नहीं समझ पाते। अपनी इच्छाएं थोपकर उसे कैरियर की दिशा निर्धारित करने के लिए कह देते हैं। यहीं से उसके जीवन में द्वंद्व शुरू होते हैं। जो पाठ्यक्रम छात्र-छात्राओं के मन का होता है उसमें वे जीवन में आशातीत सफलता प्राप्त करते हैं, विशिष्टता हासिल करते हैं। दुर्भाग्य से हम 21वीं सदी के बच्चों को 19वीं सदी के हंटर से हांक रहे हैं। उनके अहसासों व उम्मीदों का खात्मा कर रहे हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा के छद्म प्रदर्शन के लिए कि हमारा बेटा डॉक्टर व इंजीनियर है, बच्चों के अरमानों का गला घोंट रहे हैं। दरअसल, शिक्षक व अभिभावकों से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए।

गयाराम व पलटूरामों के रहमोकरम पर लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

आधी सदी से कुछ ज़्यादा ही पुरानी बात है। हरियाणा के पलवल चुनाव क्षेत्र से 1967 में गया लाल नामक उम्मीदवार ने चुनाव जीता था। स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतने के तत्काल बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। फिर एक दिन के भीतर-भीतर उन्होंने तीन बार पाला बदलादृ कांग्रेस से जनता पार्टी में, फिर वापस कांग्रेस में और फिर जनता पार्टी में। इसी 'खेल' में जब उन्हें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पत्रकारों के समक्ष पेश किया गया तो सम्बन्धित नेता ने कहा था 'गया राम अब आया राम हो गये है'। तभी से दल बदलुओं के लिए एक मुहावरा बन गया।

आज जिस संदर्भ में यह चर्चित किस्सा याद आ रहा है, उसका सम्बंध 'दल बदल' से तो नहीं, पर 'सरकार-बदल' से ज़रूर है। और इस प्रक्रिया में गया राम को पलटूराम की संज्ञा दी गयी है। बिहार की महागठबंधन की सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने फिर पलटी मार कर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है। डेढ़ साल पहले ही वे अपने दल जदयू के साथी दल भाजपा का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी के साथ मिले थे, मिलकर सरकार बनायी थी। तब उन्होंने कसम खायी थी कि मर जाऊंगा पर भाजपा के साथ फिर नहीं जाऊंगा। उस कसम का क्या हुआ, वही जानें, पर नीतीश कुमार आज फिर यह कह कर भाजपा के साथ हो गये हैं कि 'अब इधर-उधर नहीं जाना है'। इधर-उधर से उनका क्या मतलब है, यह बात समझना भी आसान नहीं हैं। उनका इतिहास बताता है कि वे कब पलटी खा जाएं, पता नहीं। हां, अब इतना सबको पता है कि 'गया राम' की तरह ही 'पलटू राम' भी भारतीय राजनीति का हिस्सा बन गया है। भारत का जागरूक नागरिक इन पलटू रामों से पूछ रहा है- 'यह बता कि काफिला क्यों लुटा?' और यदि नहीं पूछ रहा है तो उसे पूछना चाहिए यह सवाल। विडम्बना यह भी है कि हमारे नेता, चाहे वे किसी भी रंग के क्यों न हों, इधर-उधर की बात करके मतदाता को भरमाने में महारत हासिल कर चुके हैं। झूठे वादे और दावे उनके लिए किसी भी प्रकार की शर्म का कारण नहीं बनते। मतदाता को भले ही कभी इस बात पर शर्म आ जाये कि उसने दल बदलू या पलटूराम का समर्थन क्यों किया था, पर हमारा नेता इस बात की कोई आवश्यकता नहीं समझता कि वह अपने मतदाता को बताये कि उसने जो कुछ किया है, वह क्यों किया है। विडम्बना यह भी है कि हमारी राजनीति में राजनीतिक शुचिता के लिए शायद ही कहीं कोई स्थान बचा है।

जनतंत्र एक ऐसी शासन-व्यवस्था है जिसमें शासन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह घोषित नीतियों और दावों-वादों के अनुरूप कार्य करेगा। हां, चुनावों से पहले ऐसा करने की घोषणाएं ज़रूर की जाती हैं, पर फिर बड़ी आसानी से उन्हें भुला दिया जाता है। मान लिया जाता है कि जनता की याददाश्त बहुत कमज़ोर होती है!

जनतंत्र का तकाज़ा है कि जनता अपनी याद?दाश्त मज़बूत बनाये रखे। तभी जनतंत्र सफल हो सकता है, और सार्थक भी। 'जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा' जो सरकार बनती है, उसकी सफलता-सार्थकता का आधार यही है कि जनता अनवरत सजग रहेदृ न केवल अपने नेताओं की कथनी-करनी को लेकर, बल्कि अपने अधिकारों-दायित्वों के प्रति भी। इसीलिए यह सवाल उठता है कि क्या हमें किसी 'गयाराम' या 'पलटूराम' से उसके किये-करे की कैफियत नहीं पूछनी चाहिए?

जनतंत्र में राजनीति के खिलाड़ी अपनी घोषित-नीतियों, वादों और दावों के आधार पर चुनाव जीतते-हारते हैं। भले ही हमेशा ऐसा हो नहीं, पर ऐसा माना जाता है कि चुनाव नीतियों के आधार पर ही होते हैं। माना यह भी जाता है कि चुनाव जीतने वाला इन नीतियों के अनुसार अपना आचरण रखेगा। अपनी घोषित नीतियों पर टिका रहेगा। पर ऐसा अक्सर होता नहीं। अक्सर राजनेता अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए जनतंत्र की मूल भावना के साथ छल करते दिखाई देते हैं। दल-बदलुओं का आचरण इसी का उदाहरण है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुछ भी करने को राजनीति की विवशता कहना-मानना वस्तुतः जनता के साथ विश्वासघात ही है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ हमारे देश में ही होता है। लेकिन यह कहकर कि दुनिया के अन्य कई जनतांत्रिक देशों में भी यह 'बीमारी' है, हम अपनी बीमारी की गम्भीरता को कम नहीं आंक सकते। इसीलिए हमने लगभग चालीस साल पहले दल-बदल कानून की आवश्यकता को समझा था और 52वें संशोधन के तहत यह कानून बनाया गया था। फिर सन? 2003 में 91वें संशोधन के तहत इस कानून को कुछ और ताकतवर बनाया गया। पर बीमारी का मुकम्मल इलाज नहीं हो पाया। लेकिन इलाज तो करना होगा। लेकिन कैसे?

इस प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। लेकिन जनतंत्र की सफलता का तकाज़ा है कि इलाज की कोशिशें जारी रहें। यह अपने आप में एक विडम्बना ही है कि ऐसी कोशिशों के तहत जिस दिन लोकसभा के अध्यक्ष ने दलबदल-विरोधी कानून पर पुनर्विचार करने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक समिति गठित करने की घोषणा की, उसी दिन बिहार के 'सुशासन बाबू' ने अपनी गठबंधन की सरकार का त्यागपत्र देकर भाजपा का दामन थाम लिया और वहां नयी सरकार बन गयी! न नीतीश कुमार को इस बात की कोई चिंता थी कि इससे उनकी छवि खराब होगी और न ही दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा ने यह सोचा कि नीतीश कुमार को फिर से अपने साथ लेकर वह एक अनैतिक काम कर रही है!

हकीकत तो यह है कि अब हमारी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान बचा ही नहीं है। सत्ता ही हमारी राजनीति के केंद्र में है। गांधी ने सेवा के लिए राजनीति की बात कही थी। अब न उस बात को सुना जा रहा है, न याद रखने की कोई आवश्यकता महसूस की जा रही है।

अच्छी बात है कि दल-बदल कानून पर पुनर्विचार की आवश्यकता महसूस की गयी है। देखना होगा कि पुनर्विचार कब और कैसे होता है। लेकिन ऐसे किसी कानून से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है जनतंत्र के नागरिक के मन में इस बात का जगना कि 'आया राम गया राम' का उदाहरण किसी व्यक्ति ने प्रस्तुत किया हो या राजनीतिक दल ने, यह पूरी जनतांत्रिक व्यवस्था के साथ बेईमानी है। यह सच है कि ऐसा करते हुए 'शर्म उनको मगर नहीं आती', पर जागरूक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह शर्म महसूस न करने वालों को शर्म दिलाने की कोशिश लगातार करता रहे। कहीं कोई ऐसी व्यवस्था भी होनी चाहिए जिसमें हमारे निर्वाचित नेता संविधान की शपथ लेने के साथ-साथ मतदाता के प्रति निष्ठा की भी शपथ लें।

आखिर गिरकर कहां जाती है सरकार

मनु पंवार

पहले बात तो यही समझ में नहीं आती कि आखिर सरकार गिरती ही क्यों है? अपन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने पर सीना ठोकते हैं मगर इतने मजबूत और इतने विराट लोकतंत्र के गर्भ से इतनी गिरी हुई सरकार कैसे पैदा हो जाती है? क्या हम उस लोकतंत्र को सही पोषण नहीं दे पा रहे हैं?

दूसरी बात ये कि सरकार गिरती है, तो कितना गिरती है? क्या उस गिरने की कोई सीमा होती है? क्या सरकार के गिरने का कोई पैमाना भी होता है? कभी किसी नेता ने डॉलर के मुकाबले रुपये के गिरने से सरकार की साख गिरने की एक नई राजनीतिक व्याख्या दी थी। क्या सरकार उससे भी नीचे गिरती है?

सवाल तो यह भी है कि जब सरकार गिरती है तो क्या आवाज़ नहीं होती? क्या सरकार को साइलेंट मोड में गिरना पसंद है? क्या सरकार को वाइब्रेशन मोड से डर लगता है? अगर सरकार के गिरने की कोई आवाज़ होती है तो किसी को सुनाई क्यों नहीं देती? कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार बेआवाज़ ही गिर जाती हो? अगर बेआवाज़ गिर जाती है तो हम ये झूठी उम्मीद क्यों लगाए बैठे रहते हैं कि हमारे माननीय विधायक, हमारे माननीय सांसद, हमारे जनप्रतिनिधि सदन में हमारी आवाज़ बनेंगे? फिर हम क्यों ऐसा भ्रम पाले रहते हैं कि सरकार हमारी आवाज़ सुनेगी?

सबसे बड़ा सवाल तो यह भी है कि सरकार का गिरना एक घटना है, दुर्घटना है या एक स्वाभाविक प्रक्रिया है? हाल ही में कलियुग से डायरेक्ट 'त्रेतायुग' रिटर्न्स मार चुके बंदे इन दिनों उचक-उचक कर कह रहे हैं कि सरकार का गिरना एक दैवीय आपदा है। वह इसे ईश्वरीय न्याय ठहरा रहे हैं। तो फिर गिरने वाले के साथ ईश्वरीय न्याय क्यों नहीं हुआ?

सवाल यह भी है कि अगर सरकार गिरती है तो फिर उठती क्यों नहीं है? क्या सरकार में गिरकर उठने का जिगरा नहीं होता? क्या गिरने के बाद सरकार की अपनी सारी क्षमतायें ख़त्म हो जाती हैं? क्या उसके हाथ-पैर काम करना बंद कर देते हैं? उसे मरहम का वो विज्ञापन प्रेरित क्यों नहीं करता जिसमें दावा किया जाता है कि आयोडेक्स मलिए, काम पर चलिए?

एक बुनियादी प्रश्न ये भी है कि जब सरकार गिरती है तो कोई उस गिरी हुई सरकार को उठाता क्यों नहीं है? कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार गिरकर सीधे पाताल पहुंच जाती हो? लेकिन हमारे पास तो ऐसे नेता भी हैं जो भरी सभा में अपना सीना ठोक-ठोक कर कहते रहे हैं कि पाताल से भी खोज निकालूंगा। तो फिर सरकार को पाताल से ढूंढ़ लाने के जतन क्यों नहीं होते?

किसी को इन सवालों के जवाब पता चलें तो कृपया करके हमें भी बताएं।

आकर्षक पैकेज में रोगवर्धक प्रोसेस्ड फूड

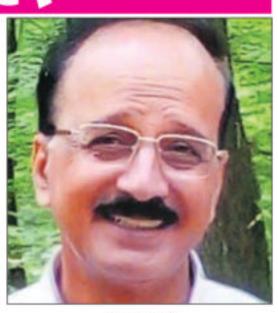

देविंदर शर्मा

जब भी मैंने कृषि उपज के लिए गारंटीशुदा कीमत का सवाल उठाया, ट्रोल के एक वर्ग ने हमेशा मुझे यह कहते हुए घेर लिया कि उपभोक्ता को खराब गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादों के लिए भुगतान क्यों करना चाहिए। बड़े पैमाने पर शहरी आबादी में किसानों के प्रति अंतर्निहित दुराग्रह के अलावा, शायद वे जिस मुद्दे को उठाने की कोशिश कर रहे हैं वह यह है कि सारी कृषि उपज समान गुणवत्ता वाली नहीं होती है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदे जाने के काबिल हों।

दरअसल, वे यह नहीं जानते कि एमएसपी की डिलीवरी भी किसानों की उपज की गुणवत्ता पर आधारित है। उदाहरण के लिए, बेहतरीन चावल की कीमत सामान्य किस्मों की तुलना में अधिक है। इसी तरह चीनी की हाई रिकवरी वाले गन्ने के लिए, चीनी मिलें तुलनात्मक रूप से अधिक रेट देती हैं। यहां तक कि ए-ग्रेड के अंडों की कीमत भी सामान्य ग्रेड वालों से अधिक है। इसके लिए अभी भी और अधिक किया जा सकता है, लेकिन कम से कम यह उतना मामूली नहीं है जितना शहरी शिक्षित लोग हमें विश्वास दिलाना चाहते हैं।

फिर भी, जो लोग किसानों को सही कीमतों से वंचित करने के लिए बार-बार कृषि उपज की क्वालिटी की बात करते हैं, वे ही लोग हैं जिन्हें खराब गुणवत्ता के लिए भुगतान करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों द्वारा धोखा दिया जाता है। वास्तव में, वे निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बहुत ज्यादा कीमत पर खरीदते हैं, जो प्राथमिक उत्पादक को उनके द्वारा भुगतान की गई कीमत से कई गुणा अधिक होता है। केवल इसलिए कि प्रोसेस्ड फूड आकर्षक पैकेज में आता है, शायद कोई फिल्म स्टार या क्रिकेटर उस उत्पाद का विज्ञापन भी करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उपभोक्ता जो खरीदता है वह गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है। यह वास्तव में बहुत बुरी बात है। औसत उपभोक्ता, जो स्वास्थ्यवर्द्धक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तलाश में मॉल्स या सुपरमार्केट में जाता है, यह अनुभव करने में नाकाम रहता है कि प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स में से अधिकांश जो अलमारियों में लाइनों में सजा है दृ एक सुपर मार्केट स्टोर में लगभग 40,000 ऐसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ हैं- वे अंततः जो खरीदते हैं वह सेहत को नुकसान पहुंचाने वाला है। अगर मुझे खराब क्वालिटी का कहने की अनुमति दी जाए तो यह अक्सर समाज में होने वाली अधिकांश बीमारियों की जड़ है। जैसा कि मैंने अक्सर कहा है कि यदि बतौर विक्रेता आप जहर को आकर्षक पैकेजिंग के साथ पेश करना जानते हैं तो संभावना है कि उपभोक्ता इसे खरीदने के लिए इच्छुक मिलें!

एक आंखें खोलने वाला अध्ययन जो ओपन-एक्सेस ट्रांसडिसिप्लिनरी जर्नल, ग्लोबलाइजेशन एंड हेल्थ में 1 दिसंबर, 2023 को प्रकाशित हुआ, मैं चाहता हूं कि हर उपभोक्ता इसे पढ़े। उस अध्ययन के तहत लॉरेन एट अल ने यह पता लगाने के लिए एक पद्धति विकसित की है कि प्रसंस्कृत भोजन और पेय की बिक्री की कितनी मात्रा सेहत के लिए फायदेमंद की श्रेणी में आती है और कितनी अस्वास्थ्यकर की कैटेगरी में। उन्होंने शीर्ष 20 वैश्विक खाद्य दिग्गज कंपनियों द्वारा निर्मित 1,294 ब्रांडों के 35,550 उत्पाद चुने। ये कंपनियां सात देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, भारत, ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से ली गई थीं- और आम तौर पर कोई भी यह मानेगा कि इन देशों की बेचे जा रहे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर पैनी नज़र होगी।

साल 2022 में इन 20 बड़ी खाद्य कंपनियों की रिटेल सेल 7.7 अरब डॉलर से अधिक हो गई। मुझे यकीन है कि जो कुछ सामने आया उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। लगभग 89 प्रतिशत बिक्री को अस्वास्थ्यकर श्रेणी में रखा गया। हैरानी होती है कि गुणवत्ता के प्रति जागरूक आबादी के उसी वर्ग का क्या होता है जिसकी एक किसान द्वारा अपनी उपज बेचने पर तो भौंहें तन जाती हैं, लेकिन खुशी-खुशी सुपर मार्केट से अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खरीद लेते हैं। शायद यह आकर्षक पैकेजिंग की चकाचौंध ही है जो उन्हें खरीदने के लिए धोखा देती है, उन्हें यह अहसास नहीं होता कि हर चमकती चीज सोना नहीं होती। अधिकतर अस्वास्थ्यकर बिक्री प्रोसेस किये गये खाद्य उत्पादों, शीतल पेय, कन्फैक्शनरी और स्नैक्स से संबंधित थी। उदाहरण के लिए मॉडलेज़, मार्स और पेप्सिको की 5 प्रतिशत से भी कम बिक्री सेहत के लिए सही खाद्य पदार्थों की श्रेणी में आती है, जबकि रेड बुल और फ़रेरो की कोई भी बिक्री बिल्कुल भी स्वास्थ्यकर नहीं थी। अध्ययन के मुताबिक, तुलनात्मक रूप से बेहतर कार्य करने वाली कंपनियों में ग्रुपो बिंबो (42 फीसदी), डैनोन (34 फीसदी) और कोनैग्रा (32 फीसदी) शामिल थीं हालांकि उनकी सेल का भी अधिकतर हिस्सा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से लिया गया था।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में 74 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्यवर्द्धक आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ है, और यह भी माना जाता है कि जो लोग सेहतमंद आहार का खर्च उठा सकते हैं, वे स्वास्थ्यकर भोजन नहीं कर रहे हैं, ऐसे में मुझे आश्चर्य होता है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) क्या कार्य करता है जब देश में बिकने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता इतनी खराब है। इसका मतलब यह भी है कि एक परिवार जो अस्वास्थ्यकर भोजन खा रहा है वह असल में थाली तक पहुंचने वाले अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का परिणाम है।

फैसले लेने की उस प्रक्रिया में पैदा हो रहे हितों के टकराव की समस्त चर्चा के बावजूद, जिसका मकसद सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थ यकीनी बनाना है, वैश्विक स्तर पर भोजन का कार्पोरेट औपनिवेशीकरण हो रहा है। जिसके चलते कुछेक कृषि-व्यवसाय समूहों के हाथों में शक्ति सिमटती जा रही है। साल 2021 संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन, उसके उपरांत कोका-कोला के प्रायोजन के अंतर्गत सीओपी 27 और तेल कंपनियों द्वारा सीओपी 28, एक ऐसी दिशा की ओर इशारा करता है जो स्वयं अस्वस्थ है। यह मुझे एक अन्य संबद्ध प्रश्न पर लाता है। जब भी भारत में किसानों को ज्यादा कीमतें देने की बात होती है, तो मुझे तुरंत जवाब मिलता है कि फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने की जरूरत है। उदाहरण के तौर पर खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय को पीएम-किसान संपदा योजना के तहत मार्च 2026 की अवधि तक 4600 करोड़ रुपये आवंटित किये जा चुके हैं, जो प्रमुखतया एग्रो प्रोसेसिंग समूहों के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण, कोल्ड चेन व मूल्य संवर्द्धन ढांचे से जोड़ने के मकसद को लेकर है।

खाद्य प्रसंस्करण पर जोर ऐसे समय में दिया जा रहा है जब विश्व स्तर पर अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और कैंसर समेत हानिकारक बीमारियों के बीच संबंध पर गंभीर चिंताएं जतायी जा रही हैं। साल 2018 के फ्रेंच न्यूट्रीनेट-सांटे कॉहोर्ट अध्ययन से पता चला है कि हमारे आहार में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में 10 प्रतिशत की वृद्धि स्तन और प्रोस्टेट कैंसर सहित समग्र कैंसर भार में 10 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना पैदा करने के लिए काफी है। लेकिन फिर भी, जब भी मुझे अग्रसर कृषि प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाओं पर चर्चा करने वाले सम्मेलन में आमंत्रित किया गया- अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर कभी कोई सत्र नहीं हुआ। वास्तव में, यह कहना गलत नहीं होगा कि जो अर्थशास्त्री व अन्य लोग फूड प्रोसेसिंग की चर्चा करते हैं उन्हें बढ़ रहे कैंसर मामलों से इसके संबंध का कम ही पता होगा।

'एनवायरनमेंट हेल्थ प्रस्पेक्टिव्स' के जनवरी 2024 अंक में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन के जरिये ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित 921 कैमिकल्स की पहचान की गयी है। इन कैमिकल्स में से 90 प्रतिशत से अधिक रसायन खाद्य और पेय पदार्थों, कीटनाशकों जिनमें घरेलू कीट नियंत्रण शामिल है, के अलावा त्वचा और बालों की देखभाल उत्पादों में पाए जाते हैं।

मैंने पहले बात की थी कि 89 प्रतिशत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ गैर सेहतमंद हैं, उसके साथ तालमेल बिठाते हुए, यह स्पष्ट रूप से हमें बताता है कि प्रसंस्करण उद्योग तो जमकर मुनाफा कमा रहा है, लेकिन भोले-भाले उपभोक्ता ही हैं जो अंततः भारी कीमत चुकाते हैं। अक्सर घातक।

एनआईए ने लगाए आतंकी के पोस्टर, जानकारी देने वाले को 5 लाख रुपए का इनाम

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में एनआईए ने डेढ़ वर्ष पूर्व जयपुर दहलाने की कोशिश में फरार आतंकी फिरोज पठान के फोटो को रतलाम शहर के प्रमुख चौराहों सहित सार्वजनिक स्थलों पर सूचना लिखी तस्वीरें और पोस्टर को शहर भर में चिपकाया है। एनआईए ने फिरोज पठान के बारे में सूचना देने वाले को 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। एनआईए ने कहा है कि, सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

गौरतलब है कि, अगस्त 2023 में जयपुर में विस्फोट की साजिश में शामिल दो आतंकी को एनआईए ने महाराष्ट्र से आतंकी मोहम्मद यूनुस साकी और इमरान खान उर्फ यूनुस मूलतः निवासी रतलाम को गिरफ्तार किया था। बाद में वर्ष 2022 में निम्बाहेड़ा पुलिस तीन आतंकी कार के साथ पकड़े गए थे। इन्होंने रतलाम के मोहन नगर निवासी मास्टरमाइंड इमरान खान के जुलवानिया स्थित पोल्ट्री फार्म पर आतंकी मंसूबों की साजिश का खुलासा किया था।

राजस्थान पुलिस ने जयपुर दहलाने की आतंकियों की कोशिश को नाकाम करते हुए उनकी कार से 12 किलो आरडीएक्स सहित टाइमर भी बरामद किया था। रतलाम एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि, दो वर्ष पहले राजस्थान में भारी मात्रा में आरडीएक्स की बरामदगी में कुल 7 आरोपी बनाए गए थे। इसमें आरोपी फिरोज पठान फरार है। इसके लिए पोस्टर लगाए गए हैं। सूचना देने वाले को 5 लाख रुपए के इनाम की घोषणा भी की गई है।

रतलाम शहर के चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर फरार आतंकी फिरोज पठान के पोस्टर चिपकाए गए हैं। ये पोस्टर शहर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। फरार आतंकी फिरोज पिता फकीर मोहम्मद पठान स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के आनंद कॉलोनी का निवासी है। जांच में एजेंसी ने पाया कि, उक्त आरोपी आतंकी संगठन सुफा के स्लीपर सेल मॉड्यूलर से जुड़े हैं।

जय सियाराम... कह बनाया वीडियो, फिर ट्रेन से टकराकर दी जान

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में एक युवक ने सुसाइड कर लिया, जिसकी उम्र 26 वर्ष बताई जा रही है। युवक ने सुसाइड करने से पहले दो वीडियो बनाए, जो तेजी से वायरल हो रहे है। उसने अपनी मौत का जिम्मेदार बड़े पापा और चाचा को ठहराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घटना मंदसौर के सुवासरा थाना क्षेत्र का है। युवक ने सुसाइड से पहले वीडियो बनाया, इसके बाद ट्रेन के सामने कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। युवक सुवासरा के पास रुनिजा गांव का रहने वाला था।

इनकी वजह से जान देने जा रहा हूं

युवक वीडियो में कह रहा है, ÷जय सियाराम, मैं राहुल पिता गोविंद धाकड़ अपनी जान देने जा रहा हूं। मेरी जान के जो जिम्मेदार हैं वह मेरे बड़े पापा गोपाल धाकड़, अंकल पीरूलाल धाकड़, परसराम पिता शिवलाल, यह तीनों मेरी मौत के कारण है। इनकी वजह से मैं अपनी जान देने जा रहा हूं। इन्होंने मेरे परिवार को बहुत हानि पहुंचाई है। बहुत तकलीफ दी है। जमीनों के मामलों में भी बहुत हानि पहुंचाई और तकलीफ दी है। हाथ जोड़कर निवेदन है कि, मेरे पापा के नाम पर जितनी भी जमीन आए वह बकायदा मेरे पापा के नाम से करवाएं। कभी भी मेरे परिवार को हानि न पहुंचाए। जय सियाराम।÷

वीडियो बनाकर कुछ लोगों को भेजा

राहुल ने ये वीडियो पटरी पर बैठकर बनाए। वीडियो बनाकर राहुल ने करीब दो से चार लोगों को भेजा। उसके बाद मंगलवार शाम करीब 4 बजे रेलवे फाटक सुवासरा में ट्रेन से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। यहां से शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। सुवासरा थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय ने बताया कि, गोविंद धाकड़ के बेटे राहुल जिसकी उम्र 26 वर्ष है, के रेलवे फाटक सुवासरा के पास ट्रेन से टकराने पर मौत हो गई। राहुल के दो वीडियो वायरल हुए हैं।

परिवार में प्रापर्टी को लेकर हुआ विवाद

राहुल ने वीडियो में जिन लोगों के नाम लिए हैं उनको राउंडअप करने का कार्य पुलिस ने शुरू कर दिया है। सुवासरा थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय ने बताया कि, इनके परिवार में प्रापर्टी का विवाद था, जिससे वह परेशान हो चुका था। इससे तंग आकर उसने मंगलवार को करीब तीन से चार बजे के बीच में पटरी पर बैठकर यह वीडियो बनाए हैं। वीडियो में उसने बड़े पापा, चाचा और एक और रिश्तेदार को जिम्मेदार ठहराया है। उसने तीन से चार लोगों को वह वीडियो भेजा है। दो वीडियो बनाए गए हैं। तीनों को राउंडअप जल्द ही कर लिया जाएगा। संबंधितों के खिलाफ 306 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

नई तरकीब से तस्करी किया जा रहा 3 करोड़ का डोडा चूरा पुलिस ने किया जप्त

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के लिए तस्कर नित-नए तरीके इजाद कर रहे हैं। राजस्थान की जोधपुर पुलिस ने मंदसौर से सीमेंट मिक्सर में भरकर ले जाया जा रहा 22 क्विंटल डोडा चूरा जब्त किया है।जब्त डोडा चूरा की कीमत तीन करोड़ रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने मंदसौर के गांधी सागर निवासी ड्राइवर को गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

जोधपुर पश्चिम एडीसीपी चंचल मीश्रा ने बताया कि, सोमवार शाम को बासनी थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह सहित पुलिस बल ने थाने के सामने ही नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान चित्तौड़गढ़ नम्बर के एक सीमेंट मिक्सर को पुलिस ने रुकवाया। जांच करने पर मिक्सर के अंदर सीमेंट की जगह कट्टों में भरा हुआ अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा पाया गया। मिक्सर में 111 कट्टों में 22 क्विंटल डोडा

पोस्त भरा हुआ था, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 35 लाख रुपए आंकी जा रही है।

पुलिस ने मिक्सर के ड्राइवर मंदसौर गांधी सागर के प्रेमपुरिया निवासी ओमप्रकाश पिता गोपाल गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया है। इस डोडा पोस्त को जोधपुर के ग्रामीण क्षेत्र में सप्लाई करना था, जिसको लेकर पुलिस जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि तस्करों ने इस सीमेंट मिक्सर को पूरी तरह से पैक कर ठीक उसी तरह सील किया गया था, जैसे सीमेंट फैक्ट्री से पैक कर रवाना किया जाता है। यह पुलिस को गुमराह करने के लिए किया गया था।

पुलिस ने सीमेंट मिक्सर के आरोपी चालक से पूछताछ कि तो आरोपी ने बताया, मिक्सर को मंदसौर से लाया था। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। पुलिस अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा को मंगवाने वाले व इसकी तस्करी करने वाले तस्करों की तलाश कर रही है।

सख्त लहजे में कलेक्टर, कहा स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों को दुकान विशेष से पाठ्य सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया तो खैर नहीं

माही की गूंज, रतलाम।

नए सत्र के लिए निजी स्कूलों के प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही किताब-कॉपी और यूनिफॉर्म के सौदागरों की सक्रियता भी बढ़ गई है। विक्रेताओं के दलाल प्राइवेट स्कूलों में अपने-अपने विजिटिंग कार्ड और पम्फलेट लेकर मंडराने लगे हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों और अभिभावकों पर दुकान विशेष से ही पाठ्य सामग्री खरीदने का दबाव बनाए जाने की आशंका भी बढ़ गई है। इसके चलते कलेक्टर भास्कर लाक्षाकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने हिदायत दी है कि कोई भी स्कूल विद्यार्थियों को दुकान विशेष से पाठ्य सामग्री खरीदने के लिए बाध्य न करे। उन्होंने ऐसा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है। कलेक्टर लाक्षाकार सोमवार को समय सीमा पत्रों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत डॉ. अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर आरएस मंडलोई तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

किशोर की पहचान के लिए जिला जेल में आयोजित किया गया जागरूकता शिविर

माही की गूंज, शाजापुर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार जेल में किशोर की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय अभियान 2024 के तहत जिला जेल शाजापुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राजेंद्र देवडा, आशीष परसाईं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं संचालन जेलर सुनील कुमार मंडलेकर ने की।

विधिक जागरूकता शिविर में मुख्य वक्ता मुख्य अतिथि राजेंद्र देवड़ा ने कहा कि, 18 वर्ष से कम आयु का व्यक्ति कानून की दृष्टि में बालक है तथा इसके संरक्षण के लिए काफी कानून बनाए गए हैं जिसकी जानकारी अति आवश्यक है। बालकों को न्याय दिलाने के लिए किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 बनाया गया है। इस बीच 28 जनवरी से 27 फरवरी तक नालसा द्वारा बाल कैदियों की पहचान के लिए जिले की समस्त जिलों में शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें बाल कैदी अपना आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र जमा कर कानून का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

शिविर में विशिष्ट अतिथि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष परसाई ने जिला जेल शाजापुर का निरीक्षण किया। साथ ही किशोर की पहचान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर जेल प्रहरी पंकज तोमर एवं अन्य जेल प्रहरीगण सहित 200 से अधिक बंदीगण उपस्थित थे।

नरवाई न जलाए, कृषक करें उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग

माही की गूंज, शाजापुर।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास उप संचालक ने सभी कृषकों को सलाह दी है कि वर्तमान में रबी की फसल परिपक्वता की ओर है। आगामी माह मार्च, अप्रैल, मई, जून में गेहूं की फसल कटाई का कार्य प्रारम्भ होना है जिसमें प्रायः देखने में आता है कि जिले के कृषकों द्वारा फसल अवशेष को प्रबंध करना एक महत्वपूर्ण चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, जिससे कि कृषक उन अवशेषो को नष्ट करने के लिए आग लगाकर प्रबंध करते है जोकि कदापि उचित नहीं है। फसलों के अवशेष जलाने से भूमि की उर्वरता शक्ति नष्ट हो जाती है एवं फसलों की उत्पादन क्षमता धीरे-धीरे कम हो जाती है। जिससे भूमि में पाये जाने वाले लाभदायक जीवाणु की संख्या में कमी आती है। फसल अवशेषो के प्रबंध करने के लिए उन्नत कृषि यंत्र जैसे- कम्पाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम एवं स्ट्रा रीपर लगी मशीन से ही फसल कटाई का कार्य एवं प्रबंधन करें। जिले में बाहर से आये हुए हार्वेस्टर यदि बिना स्ट्रारीपर मशीन के साथ आते है तो वह पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगें, जिन पर कार्यवाही के लिए शासन बाध्य होगा।

उन्होंने बताया कि, जन जागरण के लिए जिले के सभी सामाजिक संगठन, जिला पंचायत, राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग के कर्मचारी एवं सभी राजनैतिक दलो से आव्हान किया जायेगा एवं पर्यावरण किसान एवं भूमि के हित में अपना योगदान दें, ताकि जिले को नरवाई न जलाकर नरवाई मुक्त किया जा सके। इस समाधान के कारण जिले में पशुधन के लिए पर्याप्त भूसा जिले में उपलब्ध हो सकेगा तथा किसानों में पशुपालन की सक्रियता आयेगी एवं किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। जिले में बाहर से आये हुए कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर अटेचमेन्ट मशीन से ही नरवाई फसल प्रबंधन कार्य करवाएं।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने की जीवनलीला समाप्त, इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में हो गई मौत

माही की गूंज, सैलाना। जिले के सैलाना में मंगलवार रात एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब 9 बजे महालक्ष्मी गली मस्जिद चौराहा सैलाना निवासी 23 वर्षीय तरुण राठौर 'गोलू' ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन को पता चलने पर उन्होंने उसे रतलाम स्थत डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। यहां उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजन को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार तरुण का विवाह लॉकडाउन के दौरान 2021 में हुआ था। तरुण के पिता सैलाना के रेडियम दुकान के संचालक हैं। अभी आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। सैलाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दोस्ती, प्यार और फिर दुष्कर्म, ब्लैकमेल कर दी चाकू से मारने की धमकी

माही की गूंज, मंदसौर। जिले में 12वीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले को लेकर पीड़िता अपने भाई के साथ कोतवाली थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि, पीड़िता ने शिकायत दर्ज करवाई है कि उसके पास में रहने वाले युवक ने पहले दोस्ती की, फिर प्यार कर शादी का झांसा देकर संबंध बनाए। जब छात्रा ने विरोध किया तो ब्लैकमेल कर बार-बार दबाव बनाकर फिर संबंध बनाए। छात्रा ने बदनामी के डर से परिजनों को नहीं बताया तो आरोपी युवक के हौंसले बुलंद हो गए और उसने छात्रा को बात नहीं करने पर चाकू मारने तक की धमकी दी। वहीं मां की मौजूदगी में कोचिंग से लौटते वक्त जोर जबरजस्ती की। इसके बाद छात्रा परिजनों के साथ थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी यश पिता प्रेमसिंह पंवार निवासी मंदसौर के खिलाफ धारा 376 (2) (एन), 323, 294, 506, पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

बिना फिटनेस के वाहनो पर करे कार्रवाई- कलेक्टर

माही की गूंज शाजापुर।

जिला परिवहन अधिकारी बिना फिटनेस के वाहनों पर कार्रवाई करें। साथ ही बिना फिटनेस के अन्य जिलों के वाहनों, जो शाजापुर से गुजर रहे हैं, पर भी कार्रवाई करें। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने समयसीमा पत्रों की समीक्षा एवं विभागीय समन्वय बैठक में जिला परिवहन अधिकारी को दिए।

कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे भी समय-समय पर वाहनों की चेकिंग करें। जिला शिक्षा अधिकारी एवं परिवहन अधिकारी को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि, विद्यालयों में लगी बसों एवं विद्यार्थियों को लाने-ले जाने के उपयोग में लाए जाने वाले वाहनों की नियमित चेकिंग करें। साथ ही वाहन चालकों का ब्रिथएनालाईजर से परीक्षण भी कराएं। स्कूल बसों में अनिवार्यतः एक महिला कर्मचारी की नियुक्ति करें। जिला शिक्षा अधिकारी जिले के निजी विद्यालयों के संचालकों की बैठक भी लेकर निर्देशित करें। परिवहन अधिकारी यातायात पुलिस से समन्वय कर जिले से गुजरने वाली सड़कों के ब्लैक स्पॉट की जानकारी एकत्रित करें।

बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के संबंध में कलेक्टर ने चयनित ग्रामों में आंगनवाड़ी भवन निर्माण, बाउण्ड्रीवाल निर्माण, पेवरब्लॉक लगाने, लायब्रेरी, सिलाई केन्द्र जैसे कार्य लेने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि, शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के निरीक्षण के लिए तहसीलदारों को निर्देशित करें। इस मौके पर कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य की दुकानों की ई-केवायसी पूर्ण कराने के भी निर्देश दिये। जिन उचित मूल्य की दुकानों का 85 प्रतिशत से कम वितरण है, ऐसी दुकानों की सूची अनुविभागीय अधिकारियों को दें। सभी विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें कि विभागीय बजट लेप्स नहीं हो, समय पर बजट का उपयोग करें। कलेक्टर ने जिला पेंशन अधिकारियों को निर्देश दिये प्रति माह 10 तारीख को पीपीओ वितरण का कार्यक्रम रखें। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अधिकारी को कलेक्टर ने निपानिया डेम पर बन रही पुलिया का निर्माण प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिये। बैठक में सभी विभागों के कार्यो की समीक्षा की गई व आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर सुश्री अर्चना कुमारी, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अखिल राठौर, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मनीषा वास्कले एवं महेन्द्र प्रताप सिंह किरार सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

कलेक्टर करे कार्रवाई, खनिज अधिकारी की नहीं उड़ी नींद

क्या मुख्यमंत्री को अवगत करवाने के बाद ही मिट्टी की खुदाई और रेत माफियाओं पर होगी कार्रवाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में लगातार मिट्टी और रेत का कारोबार अवेध रूप से चल रहा है। जिले भर के तहसीलदार, पटवारी और एसडीएम अपनी-अपनी जेबें भरकर मिट्टी खुदाई कर रेत बनाने वाले माफियाओं और खनिज अधिकारी रेत माफियाओं को जबरजस्त सहयोग देते है और अपनी तिजोरियां लक्ष्मी जी से भर रहे है। बीते दिनों बिना, लिलऊमरी, पानगुड़ा, पस्टार, विनत और टोकरियां झीरन में रेत बनाने के लिए राजस्व और फॉरेस्ट की कई एकड़ जमीन अवेध रूप से खोद दी गई और लगभग 8 से 10 महीनो से अवेध रेत का निर्माण करने वाले बिना परमिशन राजस्व और फॉरेस्ट एरिया में वन अधिकार प्राप्त भूमि पर बिना शासन की अनुमति से जेसीबी मशीनों से मिट्टी खोद-खोदकर राजस्व की नदियों में बड़े पैमाने पर कारखाने और बड़ी-बड़ी पानी की मोटर के सहारे रेत का निर्माण कर अवेध रूप से ट्रैक्टर और ट्रैक में भरकर अवेध रूप से विक्रय करते रहे। जिससे रेत और मिट्टी माफियाओं ने करोड़ों रूपयो की रेत का विक्रय कर अवेध रूप से अपनी तिजोरियां भर ली। लेकिन जिले भर में मय सबूत खबरे प्रकाशित होने के बाद भी जिला कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और खनिज अधिकारियों के कानो की जु तक नही रेंगना और न ही

रेत माफियाओं की ट्रैक्टर और जेसीबी जप्त नही करना पूरे जिला प्रशासन की मिली भगत की ओर इशारा कर रहा है। वहीं जिला प्रशासन भी इस पूरे कांड में कही न कही लिप्त दिखाई दे रहा है।

विश्वस्त सूत्रो से ज्ञात हुआ है कि, आजाद नगर राजस्व विभाग में पटवारी के जरिए राजस्व अधिकारियों ने रेत निर्माण आजाद नगर माफियाओं से लक्ष्मी के पैकेट लिए है। अब रेत और मिट्टी माफियाओं पर कार्रवाई करने में अपनी-अपनी बगले झांकने लगे है। बिना और लिलुऊमरी आजाद नगर राजस्व का ही हिस्सा है, जहा खुदाई कर मिट्टी को धोकर करोड़ों की रेत बनाकर बेची जा रही है और आज भी बिक रही है। क्या बिना, लीलउमरी, बड़ी फाटा का रास्ता एसडीएम साहब और खनिज अधिकारी शायद भूल गए है, अब यह रास्ता भी मीडिया को खबरों के साथ प्रकाशित कर बताना पड़ेगा... !

दिलीप सिंह भूरिया लोकसभा संयुक्त सचिव आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश का कहना है कि, मीडिया के जरिए जब सभी गांव और रेत और मिट्टी खुदाई करने वाले सभी लोगो के नाम उजागर हो चुके है तो फिर प्रशासन उन माफियाओं के ट्रैक्टर और जैसीबी मशीन क्यों जप्त नही कर रही, इस पर प्रशासन संदेह के घेरे में खड़ा दिखाई दे रहा है। आज एक महीना होने को है कार्यवाही क्यों नही हो रही है। क्या जिला प्रशासन, सभी एसडीएम और खनिज अधिकारी की भी इस कांड में हिस्सेदारी है...? या फिर चोर, नेताओ के दबाव के कारण कार्रवाई नही होने से रहे है। जल्द ही जिला प्रशासन कार्यवाही नही करेगा तो आम आदमी पार्टी सभी वीडियो, फोटो के साथ गांव के नाम और माफियाओं के नाम, उन अधिकारी, कर्मचारियों के नाम भी अलीराजपुर प्रवास के लिए आ रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी सबूत सहित सौंपेंगे और कार्रवाई के लिए उनको ज्ञापन भी दिया जाएगा।

खण्डवा-बड़ोदा मार्ग बना परेशानी का सबब, फुटपाथ बना वाहन पार्किंग

सड़क किनारे वाहनों को बेतरतीब खड़ा करने से लग रहा जाम, परेशान हो रहे लोग

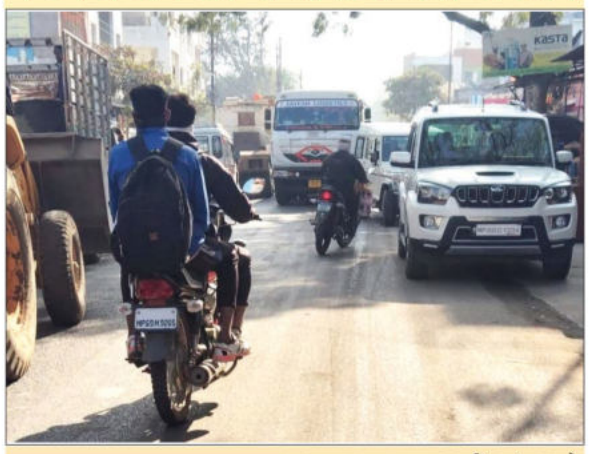

माही की गूंज, अलीराजपुर।

खण्डवा बड़ोदा मार्ग पर दिनों दिन जाम की समस्या बढ़ती जा रही हैं। सिर्फ वाहन में बैठकर अधिकारी समझाईश दे कर चले जाते। न ही उनपर कोई कार्यवाही की जाती। फुटपाथ पर समान रख और वाहन पार्किंग करने लगे है। जिस कारण बड़े वाहन के गुजरने पर जाम की स्थिति बन जाती है। जब यातायात थाना पास होने के बावजूद कारवाही नही हो रही है। इस मार्ग पर स्कूल भी संचालित होती है। तेज गति और जाम की वज़ह से किस दिन बड़ा हादसा हो सकता। छोटे-छोटे बच्चों को रोड पर करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जाम से समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते बच्चे भारी वाहनों के कारण रोड पर हर समय जाम लगा रहता है। एक बार खुला नहीं कि 5-10 मिनट में फिर आधे घंटे के लिए लोग जाम में फंसे रहते हैं। इनमें स्कूल वाहन, एंबुलेंस आदि भी फंसने से मरीज व स्कूली बच्चे समय पर स्कूल व अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं। इससे उन्हें खासी परेशानी उठाना पड़ती है।रोड़ की दोनों साइड भी मोटर साइकिलों की कतार लग जाती है। वहीं नागरिकों एवं आसपास गांव से आने वाले ग्रामीण भी अपने दो पहिया वाहन नगर में कहीं भी अव्यवस्थित खड़े कर देते हैं, इसकी वजह से भी जाम की नौबत बन जाती है।

जैविक खेती एवं कृषि पद्धति से राजन दीदी ने किया अपने सपनों को साकार

माही की गूंज, धार।

मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकास खंड नालछा जिला धार अंतर्गत आने वाला गाँव कुराड़िया जो विकासखंड से लगभग 7 किलोमीटर दूर है। वे बताती है कि मेरी शिक्षा केवल 8वीं है, एक साधारण महिला हूँ, कृषि के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं था और न ही कृषि तकनीकों का बारीकी से ज्ञान था, जिसके कारण हम अपनी कृषि से ज्यादा लाभ नहीं ले पाते थे और पैसे की भी कमी थी, जिस तरीके से हम कृषि करते थे, उससे हमे लाभ कम मिल पाता था। आत्मविश्वास की भी कमी थी, किसी के सामने बोलने से भी घबरा जाती थी। तभी मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकास खंड नालछा अंतर्गत एनआरईटीपी परियोजना के माध्यम से हमने एक जैविक समूह का निर्माण किया। हमारे समूह का नाम मॉं लक्ष्मी जैवित समूह है, जिसमे 16 सदस्य है। जिसमे हम सभी सदस्यों को मिशन के माध्यम कृषि से संबंधित समय-समय पर जैविक खाद, जैविक दवाइयों, बागवानी, सब्जी उत्पादन, बहुमंजिला खेती पर प्रशिक्षण प्रदाय किए गए एवं उसके लगाने के तरीके के बारे में जाना। जिसमे हमारे परिवार के सदस्यों ने रुचि दिखाकर कार्य किया और जैविक खाद मे वर्मीकम्पोस्ट, घनजीवामृत, द्रव्यजीवामृत एवं जैविक कीटनाशक दवाइयों और प्रशिक्षण से विस्तारपूर्वक सीखने का प्रयास किया। जिसे हमने अमरूद के बाग में खाली जगह के बीच गेंदा फूल की खेती की, जिससे फूल और फल साथ-साथ प्राप्त हो रहे है। अमरूद 40 रुपये प्रति किलोग्राम और फूल 70-80 प्रति किलोग्राम के हिसाब से विक्रय किए जा रहे है। सब्जियों में स्टेकिंग विधि से फलों की संख्या में भी वृद्धि होती है और फल भी नहीं सड़ते है। विकासखंड नालछा के प्रशिक्षण के माध्यम से प्रक्रिया अनुसार और जैविक खाद वर्मीकम्पोस्ट, द्रव्यजीवा अमृत तैयार किया एवं जैविक दयाइयां नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नियास्त्र बनाई गई और उनका उपयोग किया। जिससे हमे काफी लाभ हुआ। रासायनिक खाद एवं रासायनिक कीटनाशक दवाइयां के द्वारा होने वाले अनावश्यक खर्च से भी हमारी बचत हुई। इसके अतिरिक्त पशुपालन हमारी आय का अतिरिक्त साधन बना। कृषि से संबधित समय-समय पर विभिन्न आवश्यक प्रशिक्षण आजीविका मिशन विकास खंड नालछा द्वारा प्रदान किए गए। जिससे हमारी उत्पादन लागत कम आई एवं भूमि स्वास्थ्य मानव स्वास्थ्य पर भी निश्चित रूप से लाभ हुआ और इस प्रकार हमारी सभी स्त्रोत से आय एक लाख हजार रुपए हो जाती है। आज के परिवेश में मंहगाई के जमाने में हमारे समूह की दीदिया भी हमे देख कर नई तकनिकियों के विषयों के बारे जानने का प्रयास करती है और अन्य दीदियाँ भी हमारी नई तकनिकियों को देख कर स्वयं करने का प्रयास करती है।

स्वावलंबन की अनूठी कहानी गढ़ रहे कुष्ठ रोगी, आय के बढ़े स्त्रोत

माही की गूंज, बड़वानी।

विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी दशा और दिशा बदलने की मिसाल बड़वानी के आशाग्राम के कुष्ठ रोगियों ने प्रस्तुत की है। गरीबी उन्मूलन का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करते हुए यहां के 80 कुष्ठ रोगियों ने न सिर्फ स्वावलंबन का इतिहास रचा है बल्कि हस्तशिल्प की कला में महारत और प्रसिद्धि भी हासिल की है।

आशाग्राम ट्रस्ट के शिवकुंज में करीब 80 कुष्ठ रोगी सूत की दरी बनाने के कार्य में जुटे हुए हैं। खादी भंडार के कच्चे मटेरियल से ये लोग आकर्षक दरी बनाते हैं। इनके हाथों से बनाई दरियां, कपड़े के बैग व अन्य सजावटी सामान बाजार में विक्रय होते हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों में भी इन्हें अच्छा प्रतिसाद मिला है। इससे इनकी आय के स्त्रोत भी बढ़े हैं।

विविध कंपनियां ले रही उत्पाद

आशाग्राम ट्रस्ट के सचिव डॉ. शिवनारायण यादव एवं सचिन दुबे के अनुसार आशाग्राम के उपचाररत सदस्यों द्वारा हस्त निर्मित उत्पाद केवल एक प्रोडक्ट नहीं बल्कि यह समाज के उन वंचित, शोषित एवं समाज के अंतिम व्यक्ति को स्वावलंबन एवं स्वाभिमान का जीवन देने तथा उन्हें मुख्यधारा में समाहित करने की दिशा में एक प्रयास है। क्षेत्र के समाजसेवियों की मदद से यह कार्य निरंतर बढ़ रहा है।

निमाड़ के खरगोन, बड़वानी, खंडवा व अन्य स्थानों की फैक्ट्री व कंपनियां ये उत्पाद ले रही है। इससे कुष्ठरोगी सदस्यों को स्वावलंबन के साथ ही आय का स्त्रोत मिला है। जिससे उनका जीवन स्तर ऊंचा उठा है।

सराहनीय है प्रयास

वही कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने प्रशंसा करते हुए कहा कि, आशाग्राम में कुष्ठ रोगियों द्वारा दरी निर्माण के कार्य से स्वावलंबन और गरीबी उन्मूलन की बेहतर मिसाल प्रस्तुत की जा रही है। इससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। ट्रस्ट सदस्यों व इन श्रमजीवियों के प्रयास सराहनीय है।

कल से लागू होगी साइबर तहसील

माही की गूंज, खरगोन।

साइबर तहसील परियोजना सम्पूर्ण प्रदेश में 2 फरवरी 2024 से लागू की जा रही है। 2 फरवरी को जिला उज्जैन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कर कमलों से सम्पूर्ण प्रदेश में साइबर तहसील को लांच किया जाएगा। उज्जैन में आयोजित इस कार्यक्रम का प्रसारण वेब कास्टिंग एवं वेबकॉस्ट लिंक के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय एवं तहसील मुख्यालयों पर किया जाएगा। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि जिले की सभी तहसील मुख्यालय पर साइबर तहसील के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें। इस कार्यक्रम में तहसील स्तर पर सभी पटवारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। सभी तहसील मुख्यालय पर उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने की व्यवस्था करने कहा गया है।

जिले में गेहूं खरीदी के लिए बनाए 21 किसान पंजीयन केन्द्र

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करने के इच्छुक किसानों का पंजीयन करवाने के लिए 21 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये गये है। इन केन्द्रों पर किसान बंधु 5 फरवरी से अपना पंजीयन करवा सकते है। कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को इन पंजीयन केन्द्रों पर समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। 21 पंजीयन केन्द्रों के नाम है इस प्रकार खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार नियत किये गये पंजीयन केन्द्रों में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित बड़वानी, बोरलाय, तलवाड़ाबुजुर्ग, सिलावद, पाटी, ठीकरी, अंजड़, तलवाड़ा डेब, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित रणगांव डेब, खाण्डेराव मार्केटिंग मर्यादित ठीकरी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित दवाना, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित ब्राम्हणगांव, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित राजपुर, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित ओझर, आदर्श कृषक सेवा सहाकरी संस्था मर्यादित पलसूद, सेंधवा सहकारी विपणन संस्था मर्यादित सेंधवा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित धनोरा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित बलवाड़ी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित निवाली, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित पानसेमल, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित खेतिया में पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

ऐसी लागी राम की लगन रोज निकाल रहे रामफेरी, बड़ी संख्या में जुड़ रहे नगरवासी

माही की गूंज, धार/अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर

अयोध्या श्रीराम जन्मभुमि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर नगर में हिन्दू उत्सव समिति अमझेरा के द्वारा प्रभातफेरी और संध्याफेरी निकालने का क्रम जारी किया गया था, लेकिन 22 जनवरी के बाद भी नगरवासी रामभक्ति में रमे हुए है। जिसके तहत प्रतिदिन प्रभातफेरियों के साथ ही संध्याफेरी का क्रम लगातार जारी है तथा संध्याफेरी का नामकरण रामफेरी किया गया है। जिसके प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति,पुरूष एवं बच्चे सम्मिलीत हो रहे है। जिसमें गायक कलाकार गोपाल पारीक, अजय शर्मा, हरिष शर्मा आदि सहीत वादन में राजेन्द्र विष्वकर्मा का सराहनिय योगदान मिल रहा है। जिनके द्वारा गाये जा रहे रामनाम संकीर्तन में नगरवासी झुमते हुए चल रहे है साथ ही समापन पर श्री हनुमान चालिसा का पाठ कर प्रसादी का वितरण किया जा रहा है।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

मुसीबत के समय भाग लो, या मुसीबत से निपटने के लिए उसमे भाग लो- होमगार्ड कमाण्डेंट

माही की गूंज, बड़वानी।

कोई भी आपदा जब आती है तो हमे पता नही होता है कि अब क्या होगा। अतः हमे हर समय आपदा से निपटान हेतु मूलभूत जानकारी पता होना चाहिए। जब किसी पर भी कोई आपदा की मुसीबत आती है तो दो रास्ते होते है या तो आपदा से भाग जाओ या उससे निपटने के लिए आत्मविश्वास के साथ भाग लो। अगर हमे आपदा प्रबंधन की छोटी-छोटी बातों की जानकारी है तो हम किसी का जीवन बचा सकते है या किसी भी बड़ी घटना को होने से रोक सकते है। जिला होम गार्ड कमाण्डेंट शरदचन्द्र राय ने उक्त बाते मंगलवार को केन्द्रीय जेल बड़वानी में आयोजित आपदा प्रबंधन कार्यशाला के दौरान कही। इस दौरान उन्होने बताया कि आपदा दो प्रकार की होती है, पहली प्राकृतिक आपदा एवं दूसरी मानव निर्मित। प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप से बचने के लिए हमें यह करना चाहिए कि अगर छोटे घर में रह रहे है तो घर से बाहर आ जाये एवं अगर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में रह रहे है तो घर के अंदर रखी हुई किसी टेबल के नीचे बैठ जाये या घर की दीवार के कार्नर में खड़े हो जाये जिससे कि भूकंप की स्थिति में सिर पर चोट ना आये। दिया गया सीपीआर का प्रशिक्षण प्रशिक्षण के दौरान सर्वप्रथम बंदियों को बताया गया कि अगर उनके बीच किसी साथी को अधिक घबराहट महसूस हो या वह अचानक बैठे हुए या चलते हुए गिर जाये तो उस व्यक्ति को कार्डियर अटेक आया है। इस परिस्थिति में आदमी को लिटाकर सीपीआर पद्धति से उसका प्राथमिक उपचार करे। सीपीआर के लिए सर्वप्रथम देखे कि व्यक्ति की पल्स चल रही है या नही अगर पल्स चल रही है तो सबसे पहले उसे अपने मुंह से सांस देकर उसकी जान बचाये, अगर माउथ ब्रीथिंग के बाद भी व्यक्ति में चेतना नही आती है तो दोनों हाथो से उसकी छाती के बीच में एक मिनट तक पुश करिये इस पद्धति को तीन बार दोहराये। इस प्रकार सीपीआर करके व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान बंदियों को दुर्घटना में घायल होने पर किस प्रकार से उसकी पट्टी बांधी जाती है, हड्डी टूटने पर किस प्रकार से उसका प्राथमिक उपचार किया जाये इस बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया। वही आग लगने पर किस प्रकार से आग को बुझाया जा सकता है, उस बारे में भी विस्तार से बंदियों को प्रशिक्षण देकर अपने समक्ष प्रेक्टिकल भी करवा गया। इस दौरान उपस्थित जेल अधीक्षक शेफाली तिवारी ने भी बंदियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बंदीगणों को आज प्रशिक्षण में जो भी सिखाया गया है, वे उसे आत्मसात करे एवं आपदा की स्थिति जेल में निर्मित हो या उनके अपने घर पर हर जगह हौंसले के साथ मुसीबत से निपटने के लिए स्वयं को तैयार रखे। कार्यशाला में जेल अधीक्षक शेफाली तिवारी, डिस्ट्रीक कमाण्डेंट शरदचन्द्र रायख्, उप जेल अधीक्षक श्रीमती कुसमलता बघेल, आरएस वर्मा, होमगार्ड के सैनिक मुकेश रोमड़े, चंदन जाट, मनोज ठाकुर, पंकज शिंदे, बबलू वास्केल, उमेश मेहला, दीपक जाधव, रणजीत वास्के, सुनिल इस्के, सुरेश नरगांवे, ओमप्रकाश आगल, सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक अलावा सहित बड़ी संख्या में बंदीगण उपस्थित थे।

मातृशक्ति अखंड दीप रथ का आम्बुआ में पूजन-अर्चन हुआ

माही की गूंज, आम्बुआ।

गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में निकाली जा रही मातृशक्ति अखंड दीप जन्म शताब्दी श्रद्धा संवर्धन उपयात्रा का आम्बुआ आगमन पर महिला मंडल तथा स्कूली बच्चों ने भव्य स्वागत कर पूजन किया।

गूंज प्रतिनिधि से चर्चा में यात्रा संग चल रहे ग्यारसी लाल भाटिया ने बताया कि, मकर संक्रांति 14 जनवरी 2024 से प्रारंभ हुई यह यात्रा रामनवमी 17 अप्रैल 2024 तक जिले की समस्त पंचायत क्षेत्र में भ्रमण करेगी। जिले में लगभग 500 पंचायतों में से अभी तक यह यात्रा 200 पंचायतों में भ्रमण कर चुकी है जहां पर कलश का पूजन किया गया। 31 जनवरी को यात्रा आम्बुआ पहुंचने पर महिला मंडल गायत्री परिवार जनों तथा अंशुल विद्या मंदिर के बच्चों ने गायत्री माता जी, गंगा कलश तथा पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री राम शर्मा तथा माता जी भगवती देवी शर्मा के चित्र का पूजन अर्चना की। यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना, जनसाधारण में सकारात्मकता, संवर्धन कुरीतियों एवं अंधविश्वासों का उन्मूलन, व्यवसन मुक्त समाज का निर्माण, संस्कृति की प्रतिष्ठापना, संस्कारों का अभिवर्धन आदि सूत्रों को जन-जन में स्थापित करना है। इस यात्रा में गायत्री शक्तिपीठ जोबट के कमलेश राठौड़, ग्वले जी डॉ. प्रदीप कनेश तथा मातृशक्ति मीरा जी, गायत्री जी आदि सम्मिलित रह रहे हैं। आम्बुआ से यह यात्रा ग्राम पंचायत अडवाड़ा के लिए प्रस्थान कर गई यह अभियान पूज्य माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 तक सतत जारी रहेगा।

डबल मर्डर केस में चार आरोपित गिरफ्तार

चोरी के लिए घर में घुसे थे, पति-पत्नी ने देख लिया तो मार डाला

माही की गूंज, उज्जैन।

नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलौदा द्वारकाधीश गांव में भाजपा नेता व पूर्व सरपंच तथा उनकी पत्नी की हत्या के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। गांव के ही दो युवकों ने हत्या की थी। एक युवक व एक नाबालिग घर के बाहर ही रेकी कर रहे थे। आरोपित घर में शाम छह बजे से ही घुस गए थे। रात करीब 12 बजे खिड़की की ग्रिल काटकर अंदर घुसे और सामान खंगाल रहे थे। आवाज सुनकर महिला व पति जाग गए तो आरोपितों ने पहचाने जाने के डर से चाकू व सब्बल से हमला कर दोनों को मौत के घाट उतार दिया। महिला ने काफी देर तक संघर्ष किया और एक आरोपित को दांतों से काट भी लिया था। जिसके बाद महिला का गला रेत दिया। आरोपित घर से मात्र दो हजार रुपये व चांदी के जेवर चुरा ले गए थे। जबकि तिजोरी में 18 लाख रुपए व जेवरात नहीं ले जा पाए। पुलिस ने तीन युवकों व एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी सचिन शर्मा ने बताया कि, नरवर थाना क्षेत्र के पिपलोदा द्वारकाधीश गांव में रहने वाले पूर्व सरपंच तथा भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनिवास कुमावत और उनकी पत्नी मुन्नी कुमावत की शुक्रवार रात उनके घर में घुसकर धारदार हथियारों से हत्या कर दी थी। कुमावत का साला सुरेश गांव में रहता है और खेती तथा दूध का कामकाज संभालता है। शनिवार सुबह करीब 6 बजे उसने काफी देर तक जीजा को फोन किया तो उन्होंने उठाया नहीं, इस पर वह घर पहुंच गया था। इस दौरान दूध निकालने वाला कर्मचारी रमेश भी पहुंच गया था।

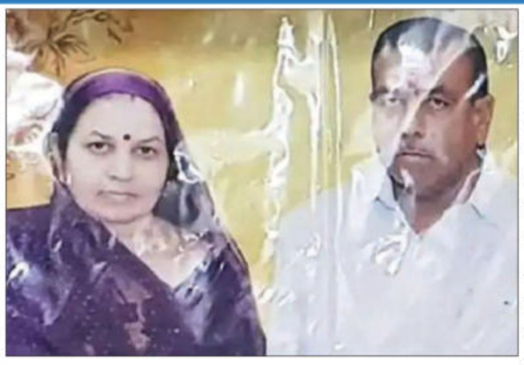

सुरेश घर की बाउंड्री का दरवाजा फांदकर मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा था। अंदर किचन में बहन मुन्नीबाई खून से लथपथ पड़ी थी, वहीं कमरे में जीजा भी मृत अवस्था में पड़े थे। पीछे का दरवाजा खुला हुआ था। खिड़की की ग्रिल भी कटी हुई थी। मंगलवार को पुलिस ने पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने हत्या के मामले में मंगलवार को अल्फेज पुत्र लियाकत शाह उम्र 19 वर्ष व आरिफ पुत्र मक्कू उर्फ मेहरबान शाह उम्र 22 वर्ष व विशाल पुत्र मिश्रीलाल बागवान तीनों निवासी पिपलोदा द्वारकाधीश व एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है।

शाम को ही घर में घुस गए, सबके सोने का करते रहे इंतजार

एसपी सचिन शर्मा ने बताया कि, दो आरोपित अल्फेज व आरिफ शाम छह बजे घर के समीप बने बाड़े में जाकर छुप गए थे। बाहर उनका दोस्त विशाल पुत्र मिश्रीलाल बागवान निवासी पिपलोदा द्वारकाधीश व एक नाबालिग रेकी कर रहा था। अल्फेज व आरिफ ने रात को कुमावत के यहां काम करने वाले कर्मचारियों के जाने का इंतजार किया। रात दस बजे दोनों आरोपित सब लोगों के जाने के बाद घर में घुसने का प्रयास कर रहे थे। मगर कुमावत व उनकी पत्नी के जागे होने के कारण वापस बाड़े में जाकर छुप गए। रात करीब 12 बजे दोनों फिर बाहर निकले और खिड़की की ग्रिल काटकर अंदर चले गए।

पूर्व सरपंच व पत्नी ने किया संघर्ष, गला रेता

घर में खटपट की आवाज सुनकर कुमावत व उनकी पत्नी मुन्नीबाई जाग गए थे। आरोपितों ने पहचाने जाने के डर से ताबड़तोड़ चाकू व सब्बल से वार कर कुमावत को मौत के घाट उतार दिया। मुन्नीबाई ने आरोपितों से काफी देर संघर्ष किया था। महिला ने अल्फेज का हाथ पकड़ लिया था। जिसे वह छोड़ नहीं रही थी। इस दौरान महिला ने अल्फेज को दांतों से काट भी लिया था। जिसके कारण आरोपितों ने उनका गला रेत दिया और ताबड़तोड़ वार कर उसकी भी हत्या कर दी।

तीन माह पूर्व शराब की बोतल चुराई थी

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि, वह कुमावत के घर में पूर्व से ही छोटी-मोटी चोरी की वारदात को अंजाम देते रहे है। तीन माह पूर्व भी वह कुमावत के घर से शराब की बोतल चुराकर ले गए थे। आरोपितों ने शुक्रवार को भी चोरी का प्लान ही बनाया था। चारों को पता था कि कुमावत के घर में लाखों रुपये व जेवर मिल सकते है। जिसे चुराकर वह आपस में बांट लेंगे। लेकिन कुमावत व उनकी पत्नी की हत्या के बाद वह घर से केवल दो हजार रुपये व चांदी की पायजेब व जेवर चुरा पाए थे। घर में रखी तिजोरी से 18 लाख रुपये व सोने के जेवरात चोरी नहीं कर पाए थे। आरोपित जाते समय घर में लगे सीसीटीवी कैमरों व टीवी को तोड़ गए थे। इसके अलावा डीवीआर भी चुरा ले गए थे। हालांकि डीवीआर में नवंबर 2023 तक का ही स्टोरेज मिला था।

मोबाइल से हुआ पर्दाफाश

उज्जैन पुलिस ने वारदात के दौरान गांव में चलने वाले मोबाइलों का पीएसटीएन डाटा निकाला था। जिसके आधार पर ही वारदात के दौरान गांव में चलने वाले मोबाइलों की डिटेल मिली थी। घर के अंदर अल्फेज व आरिफ की बार-बार विशाल व नाबालिग से बात हो रही थी। मोबाइल की काल डिटेल के आधार पर पुलिस ने आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पर्दाफाश हो गया।

ठंड से बचने की लिए सोते समय जलाई अंगीठी से जली महिला, हुई मौत

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

बरझर के हरिजन मोहल्ला में मंगलवार-बुधवार रात्रि 2 बजे के आस पास हरिजन समाज की बुजुर्ग महिला राली बाई की जलने से मौत हो गई। मंगलवार रात्रि में राली बाई रोज की तरह घर के पास बनी गली में सो रही थी, ठंड से बचने के लिए राली ने खटिया के पास अंगीठी लगाकर तापने के लिए आग जलाई व खटिया पर सो गई। रात्रि 2 बजे के आस पास अंगीठी से खटिया में आग लग गई आग ने विकराल रूप ले लिया। राली बाई की चिख पुकारा घर के लोग सुन नहीं सके आग की लपटों में जलकर खटिया पर ही राली की मौत हो गई। रात्रि गस्त कर रही बरझर पुलिस ने 2 बजे के आस पास हरिजन मोहल्ला में आग जलती देख कर गाड़ी रोक कर देखा तब पता चला कि महिला की जलने से मौत हो गई। चौकी प्रभारी शिवा तोमर ने घर वाले व पड़ोसी को उठाया व आग बुझाई लेकिन तब तक राली बाई की मौत हो चुकी थी पुलिस जांच में जुटी है। बुधवार सुबह एसडीओपी नीरज नामदेव और आजादनगर थाना प्रभारी गोपाल परमार भी मौके पर पहुंचे थे।

अवैध खनन करती प्रोकलेन मशीन व अवैध खनन का परिवहन करते दो डम्फर जप्त

माही की गूंज, उदयगढ़।

कलेक्टर अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशन में एवं जोबट एसडीएम वीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में बुधवार को राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग की संयुक्त कार्रवाई में उदयगढ़ में दो डम्फर व एक प्रोकलेन मशीन अवैध माइनिंग एंड परिवहन करते पकड़े गए। दोनों डम्फर क्रमांक एमपी 45 जी 0629 व एमपी 45 जी 0684 सहित प्रोकलेन मशीन को जाप्त कर थाना उदयगढ़ ले जाया गया एवं जांच कर आगे की कार्यवाही करने के निर्देश एसडीम वीरेंद्र सिंह द्वारा दिए गए। कलेक्टर में अरविंद बड़े करके अधिकारियों को सख्त निर्देश कोई भी अवैध परिवहन या मीनिंग करते पाया जाए तो कड़ी कार्रवाई की जाए।

सरकारी दफ्तर पर चोरों ने बोला धावा, 10 कंप्यूटर-पंखे चुराए

माही की गूंज, जोबट।

जिले में अब सरकारी कार्यालय भी सुरक्षित नहीं हैं। चोर शायकीय कार्यालय में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला अलीराजपुर जिले से सामने आया है। जहां चोरों ने ब्लॉक रिसोर्स सेंटर पर धावा बोल दिया और कंप्यूटर, पंखे चुरा ले गए। पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है।

दरअसल, यह वारदात जिले के जोबट ब्लॉक रिसोर्स सेंटर की है। जहां मंगलवार रात चोरों ने धावा बोल दिया और 10 कंप्यूटर सहित छत पंखे चुरा ले गए। वारदात की जानकारी तब लगी जब चपरासी ने कार्यालय खोला। कंप्यूटर और पंखे गायब देख उसके होश उड़ गए। उसने तुरंत इसकी सूचना अधिकारियों को दी।

इधर, चोरी की जानकारी मिलते ही विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस और डॉग एस्कॉर्ट की टीम मौके पर पहुंची लेकिन कुछ हाथ नही लगा। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर डॉग एस्कॉर्ट और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं पुलिस ने दावा किया है कि चोर जल्द ही गिरफ्त में होंगे।

पार्टी से गद्दारी करने वाले पुन: पार्टी में घुस जाते हैं और वरिष्ठ ध्यान नहीं देते हैं- पटेल

माही की गूंज, आम्बुआ।

पार्टी में ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ वफादार कार्यकर्ताओं की ओर पार्टी के वरिष्ठ ध्यान नहीं देते हैं। जबकि पार्टी को तोड़ने वाले हानि पहुंचाने वाले गद्दारों को पुनः पार्टी में बगैर कर्तव्य निष्ठ कार्यकर्ताओं से राय शुमारी के रख लिया जाता है और वह आदत गद्दार फिर से पार्टी विरोधी कार्य कर पार्टी को हानि पहुंचाते हैं पार्टी उन्हें बाहर का रास्ता क्यों नहीं दिखाती है।

उक्त विचार अलीराजपुर विधानसभा के पूर्व विधायक मुकेश पटेल ने पटेल फार्म हाउस पर आयोजित लोकसभा चुनाव हेतु रखी गई पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में व्यक्त किऐ है। उन्होंने यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया के समक्ष कही। उन्होंने आगे कहा कि, अलीराजपुर में जब उनके बड़े भाई महेश पटेल ने चुनाव लड़ा तब भी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने गद्दारी की, जब मैंने अभी हाल ही में पुनः चुनाव लड़ा तो इन गद्दारों ने पुनः अपनी कारिस्तानी की जिसका नतीजा मेरी हार है। ऐसे गद्दार समय देखकर पुनः पार्टी में घुस जाते हैं और पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। मेरे अलावा अभी हाल ही में जोबट विधानसभा प्रत्याशी के समक्ष भी यही स्थिति रही हालांकि कर्मठ कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण प्रत्याशी भारी रिकॉर्ड मतों से जीत गई। पटेल ने आगे बताया कि, उन्होंने जिला स्तर से लेकर ऊपर तक पार्टी विरोधी कार्यकर्ताओं की सूची दी है मगर आज तक किसी का निष्कासन नहीं किया गया है। वरिष्ठ नेताओं को इस और ध्यान देना चाहिए इन गद्दारों के कारण पार्टी के कार्यकर्ता जो की जमीन पर रहकर कार्य करते हैं उनका मनोबल टूटता है वह जहां थे वहीं रह जाते हैं और गद्दारी कर पीछे के दरवाजे से घुस जाने वाले मस्ती मारते हैं।

उक्त पीड़ा केवल मुकेश पटेल की पीड़ा नहीं है यहां जितने भी वक्ता फिर चाहे हरीश भाबर हो, सरदार अजनार हो या कमरू अजनार अथवा महेश पटेल हो लगभग सभी ने अपने भाषणों में किसी न किसी रूप में यह पीड़ा व्यक्त की। कार्यक्रम पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, झाबुआ विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया, थांदला विधायक वीर सिंह भूरिया, जोबट विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल तथा लोकसभा प्रभारी विवेक शर्मा, पूर्व विधायक वालसिंह मैड़ा (पेटलावद), पूर्व विधायक हर्ष गहलोत (सैलाना) आदि अनेक नेतागण मौजूद रहे तथा आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी पर विशेष रणनीति पर चर्चा की गई साथ ही सभी ने एक स्वर में बागियों तथा पार्टी से गद्दारी करने वाले एवं चुनाव के समय पार्टी में घुसपैठ करने वालों को पार्टी से निष्कासन की मांग की।

लालच देकर ठगी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, राणापुर।

14 नवंबर 2023 को फरियादी सुनील पिता लक्ष्मण मावी जाती भील (22) निवासी ग्राम पाडलवा तहसील रानापुर के साथ 3 अज्ञात बाबा द्वारा जमीन में गढे धन को बताकर निकालने के लिए हवन व पुजा पाठ आदी करने के नाम पर बेईमानीपुर्वक, छ्ल व धोखाधडी करके फरियादी सुनील मावी से 8 लाख रुपए की ठगी की गई थी। फरियादी की सुचना पर थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 32/2024 धारा 420, 34 भादवि. का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था। उक्त प्रकरण में एसपी अगम जैन ने आरोपीयो को गिरफ्तार करने एवं ठगी के रुपए बरामद करने हेतु सख्त निर्देश दिए थे। जिस पर थाना प्रभारी राणापुर निरीक्षक शंकरसिंह रघुवंशी की पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए अज्ञात बाबा की तलाश में जुट गई एवं प्रकरण की सुक्ष्मता से जांच कर आरोपी गोलु पिता राजु नाथ भाटी (24) निवासी उटावद धार, दीपक पिता प्रेम नाथ (28) निवासी उटावद जिला धार, सनी पिता श्याम नाथ (पडीयार) (25) निवासी संजय नगर इंदौर को गिरफ्तार कर आरोपीयो के कब्जे से ठगी के 7 लाख रुपए नगदी बरामद किए।

पुलिस ने लाखों की शराब जप्त कर अपराध कायम किया

माही की गूंज, आम्बुआ। थाना आम्बुआ पर 29 जनवरी को मुखबिर की सूचना पर ग्राम बन्दघुसबयड़ा किर्चिया पिता नुरखा भील निवासी बन्द घुसबयड़ा फलिया के घर से 42 पेटिया माउण्ट 6000 कंपनी की बियर मिली। प्रत्येक पेटी में 24 नग केन (टीन के डिब्बे) जिनके बेच न. 134/30.11.2023 है, कुल 1008 नग बियर प्रत्येक डिब्बे में 500 एमएल शराब भरी होकर प्रत्येक डिब्बे की कीमत 120 रुपए कुल शराब मात्र 504 बल्ब लीटर समक्ष पंचांन जप्त कर आरोपी कर्चिया पिता नुरखा भील निवासी बन्द घुसबयड़ा के विरुध थाना हाजा पर अपराध क्रमांक 18/2024 धारा 34(2), 36 आबकारी एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया।

उक्त कार्य पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर के मार्गदर्शन में हुआ व एसडीओपी जोबट के निर्देशन में थाना प्रभारी उनि. योगेंद्र मण्डलोई, सउनि यशवंत पाटीदार, सउनि अजय भिडे, सुनि कालुसिंह अलावा, आर. अरूण, आर प्रेमसिंह , आर. गिरधारी, आर. दिलीप, आर. राकेश, आर. सुरेश, आर. जेराम, चालक आर. रोशन के सराहनीय योगदान से सफलता प्राप्त की गई।

विद्यार्थियों ने देखा प्रधानमंत्री का परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

आगामी वार्षिक परीक्षाओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ÷परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम÷ को उत्कृष्ट विद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर के विद्यालय परिसर में लगाए गये बड़े टेलीविज़न पर उत्साहपूर्वक सभी ने देखा व सुना। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न विद्यालयों से स्कूली बच्चों द्वारा वर्चुअली पूछे प्रश्नों के जवाब अनुभव के आधार पर बड़े सहज भाव से उदाहरण देकर समझाया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य निलेश शाह के साथ संस्था के वरिष्ठ शिक्षक शाहीद शेख, रतनसिंह रावत, रमेश डावर, केशरसिंह बामनिया, हेमेन्द्र गुप्ता, मनोज सोनी, राजकुमार मारू, रितुराज सोनी, गिरधारीलाल धाकड़, राधेश्याम बिरला सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

भूतपूर्व छात्र संघ ने रसोई सामग्री की भेंट

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) के भूतपूर्व छात्र संघ द्वारा महाविद्यालय में लगने वाले एनएसएस कैंप हेतु रसोई में उपयोग आने वाली सामग्री, बर्तन आदि की भेंट दी गई। महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्र संघ का गठन पूर्व में किया जा चुका है जिसके अंतर्गत महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्र संघ द्वारा विद्यार्थियों के हित मे सहयोगार्थ गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष आदिल शेख एवं उपाध्यक्ष पंकेश भयडिया एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भूतपूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष आदिल शेख ने कहा कि, भूतपूर्व छात्र संघ महाविद्यालय के विद्यार्थियों के सहयोग हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। उपाध्यक्ष पंकेश भयडिया द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सहायता हेतु सदैव उपलब्ध होने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एमएस डोड़वा, एनएसएस इकाई प्रभारी प्रो. कमलेश गणावा एवं समस्त स्टाफ़ द्वारा भेंट हेतु भूतपूर्व छात्र संघ को धन्यवाद दिया गया। भूतपूर्व छात्र संघ द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों के हित में इसी प्रकार से सहयोग करते रहने का आश्वासन दिया गया।

आम्बुआ से सेजावाड़ा तक टू लेन रोड़ का हुआ शिलान्यास

झाबुआ हाइवे मार्ग को जोड़कर जोबट-अलीराजपुर से गुजरात के सरदार सरोवर तक फोर लेन सड़क निर्माण की मांग

माही की गूंज, आम्बुआ।

एनएच-56 दाहोद गुजरात बॉर्डर से मप्र के ग्राम आम्बुआ तक 27.59 किमी लंबे टू लेन हाइवे रोड़ (पेव्ड शोल्डर के साथ) सड़क निर्माण की क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग मंगलवार 30 जनवरी को पूरी हुई। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए जोबट विधायक सेना पटेल ने बताया कि, 30 जनवरी दोपहर 2 बजे लाल परेड मैदान भोपाल में भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडग़री के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता एवं अन्य मंत्रीगण ओर सांसद-विधायकों आदि गणमान्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रदेश में 8 हजार 38 करोड़ रुपए की लागत से कुल 498 किमी लम्बी 15 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास समारोह आयोजित हुआ। इस परियोजना में दाहोद गुजरात बॉर्डर से आम्बुआ तक 27.59 लम्बी सड़क निर्माण परियोजना भी शामिल है, जो कि 370.74 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण होगी।

उक्त समारोह में जोबट विधायक सेना पटेल को भी बतौर अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस बाबद सचिव सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आमन्त्रण भेजकर उन्हें सूचित किया गया था। आदिवासी बाहुल्य पिछड़े क्षेत्र को यह अमूल्य सौगात मिलने पर विधायक पटेल ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडग़री ओर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद सहित आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि, ग्राम आम्बुआ से गुजरात सीमा के सेजावाडा तक हाइवे सड़क निर्माण की मांग वर्षो से क्षेत्रवासी कर रहे थे। इस मार्ग की लड़ाई पूर्व में जोबट की स्व. कलावती भूरिया ने लड़ी थी। उसके बाद जोबट की निर्वाचित विधायक सेना पटेल ने लड़ी। पिछले विधानसभा चुनाव में सेना पटेल का प्रमुख मुद्दा यह रोड़ निर्माण ही था। इस बाबद उन्होंने भारत सरकार से निरंतर पत्राचार किया तथा भोपाल जाकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उक्त मार्ग को लेकर मांग पत्र देकर टू लेन रोड़ की पुरजोर मांग रखी थी। आखिरकार विधायक पटेल के अथक प्रयासो से यह सड़क निर्माण की मांग पूरी हो गईं।

श्रीमती पटेल ने बताया कि, यह टू लेन सड़क बन जाने के बाद अलीराजपुर जिला मुख्यालय से एवं अन्य क्षेत्र से दाहोद गुजरात आवागमन का मार्ग सुगम हो जाएगा ओर लोगो को यात्रा करने मे आसानी होंगी। उन्होंने बताया कि, इस निर्माण कार्य मे जो भी परेशानी आएगी, उसे क्षेत्र की जनभावना अनुसार दूर कर सड़क निर्माण को शीघ्र पूर्ण करवाया जाएगा। विधायक पटेल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव से झाबुआ से जोबट ओर जोबट से अलीराजपुर होकर गुजरात के सरदार सरोवर तक फोर लेन सड़क निर्माण की मांग की। इस संबंध मे उन्होंने केंद्रीय मंत्री गडकरीजी को पत्राचार भी किया है। विधायक पटेल ने बताया कि, विधानसभा चुनाव में उनके द्वारा जो भी वादे किए गए थे वो प्राथमिकता के साथ जल्द पूरे किए जाएंगे। जोबट विधानसभा क्षेत्र मे विकास की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, इसके लिए सतत प्रयासरत रहूंगी।

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

1– बैंक की विकासखंड उदयगढ़ जिला अलीराजपुर की शाखाओ एवं आ.जा. सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समस्त कृषक सदस्यों को ऋण तथा कृषि आदानों की पूर्ति के साथ ही अमानत संग्रहण का कार्य।
2– जिले में सर्वाधिक किसान क्रेडिट कार्ड वितरण करने वाला बैंक।
3– प्रधानमंत्री जीवन ज्योति व प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व अटल पेंशन योजना का लाभ।
4– आत्मनिर्भर भारत योजनान्तर्गत सहकारी संस्थाओं में कॉमन सर्विस सेंटर।
5– पशुपालन एवं मत्स्यपालन योजनान्तर्गत ऋण वितरण।
6– जिले की समस्त बैंकों से अमानतों पर सर्वाधिक ब्याज देने वाला बैंक।
7– कृषको को 0 प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालिन कृषि ऋण सुविधा।
8– मौसम आधारित फसल बीमा योजना एवं दुर्घटना बीमा योजना का लाभ।
9– समस्त शाखाओ में एटीएम कार्ड सुविधा उपलब्ध।
10– शाखाओं में लॉकर्स सुविधा उपलब्ध।

प्रबंधक एवं प्रशासक अ.जा.सह. संस्था बोरसाड

प्रबंधक एवं प्रशासक अ.जा.सह. संस्था उदयगढ़

प्रबंधक एवं प्रशासक अ.जा.सह. संस्था बोरी

प्रबंधक एवं प्रशासक अ.जा.सह. संस्था कुन्दलवासा

प्रबंधक एवं प्रशासक अ.जा.सह. संस्था कानाकाकड़

श्री आर.एस. वसुनिया
महाप्रबंधक

श्री बी.एल. वसुनिया
संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं प्रशासक

सौजन्य :- आदिम जाति सेवा सहकारी समिति उदयगढ़, जिला झाबुआ

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बीएमओ श्री अमित दलाल
सौजन्य :- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. अमित दलाल
डॉ. अर्जुन चौहान
सौजन्य :- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरी

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कृषि विभाग वरिष्ठ अधिकारी श्री संदीप रावत
सौजन्य :- कृषि विभाग कार्यालय उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बीआरसी श्री रामसिंह सोलंकी
सौजन्य :- जन शिक्षा केंद्र कार्यालय उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- समस्त बालक छात्रावास एवं वन कन्या आश्रम उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सीईओ श्रीमती माया बारिया
सौजन्य :- जनपद पंचायत उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बीइओ श्री रामसिंह सोलंकी
सौजन्य :- खंड शिक्षा कार्यालय उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- उप तहसील कार्यालय उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्राचार्य श्री डीएस मोरी
सौजन्य :- शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
टीआई श्री छगनसिंह बघेल
सौजन्य :- पुलिस थाना उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कानाकाकड़ CM राइस

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती पदमा परमार (प्रभारी)
सौजन्य :- परियोजना कार्यालय महिला बाल विकास उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती आशा मोरी
सौजन्य :- कन्या शिक्षा परिसर उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- एनआरएलएम आजीविका कार्यालय उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- पीएचई कार्यालय जोबट

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- अंग्रेजी शराब दुकान उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- देशी शराब दुकान उदयगढ़ (कनास)

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- अंग्रेजी शराब दुकान जोबट

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- देशी शराब दुकान जोबट

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- अंग्रेजी शराब दुकान बोरी

आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य :- देशी शराब दुकान बोरी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422